मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 126
मंगलवार, 19 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जंगल व जमीन पूंजीपतियों को सौंप रही भाजपाः राहुल गांधी

रांची, 18 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रांची में कहा झारखंड चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि यह चुनाव विपक्षी गठबंधन इंडिया तथा भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच विचारधारा की लड़ाई है, हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं जबकि वे इसे कुचलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि कांग्रेस संस्थाओं, निजी कंपनियों, न्यायपालिका में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, आदिवासियों का प्रतिनिधित्व जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराएगी।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी झूठ बोलते हैं कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं, विपक्षी गठबंधन इंडिया इसे बढ़ाना चाहता है, 50 प्रतिशत की सीमा हटाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी से जाति जनगणना कराने और आरक्षण बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा आरक्षण बढ़ाने और जाति जनगणना कराने की हमारी योजनाओं के खिलाफ है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि हम सरकार गरीबों के लिए चलाना चाहते हैं, अरबपतियों के लिए नहीं; भाजपा झारखंड में खदान,

जंगल व जमीन पूंजीपतियों को सौंप रही है। मोदी ने देश की संपत्ति चंद अरबपतियों को सौंप दी। राहुल गांधी ने भाजपा के एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि अगर मोदी, शाह, अंबानी एक हैं तो वे सेफ हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर डेढ़ साल से जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार भी राज्य का दौरा नहीं किया।

राहुल ने कहा कि सभी जानते हैं कि मणिपुर में क्या हो रहा है। प्रधानमंत्री अभी तक वहां नहीं गये हैं। मैं मणिपुर गया हूं। हमने सरकार से हिंसा रोकने को कहा है। किसी का कोई निहित स्वार्थ है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री को अपना काम करना चाहिए, लेकिन किसी कारणवश वह अपना काम नहीं कर रहे हैं। वहां शांति बहाल होनी चाहिए। बीजेपी वाले नफरत फैलाते हैं, इसलिए 'आग लगती है'। 'आग को सिर्फ कांग्रेस मिटा सकती हैं' क्योंकि हम प्यार, भाईचारे की बात करते हैं।

एक बार फिर हिंसा की आग में जल रहा मणिपुर, दो दिन और बढ़ाया गया इंटरनेट बैन

मणिपुर, 18 नवम्बर। मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिलों में इंटरनेट बैन दो दिन और बढ़ाया गया। इससे पहले मणिपुर सरकार ने शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिनों के लिए मणिपुर के सात जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। सरकारी आदेश के अनुसार प्रभावित जिले इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कनकपोकपी और चुराचांदपुर हैं। टेलीकॉम सस्पेंशन ऑफ सर्विसेज (पब्लिक इमरजेंसी या पब्लिक सेफ्टी) रूल्स, 2017 के तहत जीओएम ने कहा है कि राज्य के कुछ हिस्सों में मौजूदा संघर्ष के कारण शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव में गंभीर गड़बड़ी होने की संभावना है। इसके द्वारा वीएसएटी, ब्रॉडबैंड (आईआईएल और एफटीटीएच) और वीपीएन सेवाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं पर अस्थायी निलंबन/रोक लगाने का आदेश दें। मणिपुर में स्थिति अस्थिर बनी हुई है और शनिवार को बड़े पैमाने पर हुई आगजनी के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, जहां विधायकों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया गया। इंफाल में राजभवन और बीजेपी के पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया. रविवार को प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू के बावजूद सड़कों पर लोहे की सलाखें रख दीं। एक भीड़ ने इंफाल पूर्वी जिले के लुवांगशांगबाम में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के पैतृक आवास में घुसने की कोशिश की। हालांकि, सुरक्षा बल उनके प्रवेश को विफल करने में कामयाब रहे। हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में छह लापता महिलाओं और बच्चों के शव बरामद होने के बाद भीड़ उग्र हो गई है। कुछ शव, जिनकी अभी तक परिवार के सदस्यों द्वारा पहचान नहीं की गई है, माना जाता है कि ये जिरीबाम जिले में 11 नवंबर से लापता छह महिलाओं और बच्चों के हैं।

कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और इंटरनेट प्रतिबंध को दो और जिलों जिरीबाम और फेरजॉल तक बढ़ा दिया गया है। इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व, थौबल, काकचिंग, बिष्णुपुर, कांगपोकपी और चुराचांदपुर में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवा को दो दिनों के लिए शनिवार को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

टैंकर की चपेट में आनें से बाइक सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत

इम्तियाज अहमद

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा के अनापुर गांव के पास जौनपुर-प्रयागराज हाइवे पर हुआ हादसा सोमवार देर शाम जौनपुर-प्रयागराज हाइवे पर अनापुर गांव के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की जान चली गई। तीनों मृतक एक ही गांव के निवासी थे और कैटरिंग का काम करते थे। काम खत्म कर घर लौटते वक्त उनकी बाइक को टैंकर ने टक्कर मार दी।जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। हादसे की भयावहता प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवकों के शव बुरी तरीके से क्षत-विक्षत हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीओ सदर परमानंद कुशवाहा,थानाध्यक्ष आशुतोष गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम

के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान हादसे में मृत युवकों की पहचान अलीशाहपुर गांव निवासीः राजबहादुर बिंद उर्फ दरोगा (28) सूरज बिंद (19), पुत्र रामप्रकाश बिंद रवि बिंद (16), पुत्र रामा बिंद घटना का विवरण मृतक राजबहादुर अपनी स्प्लेंडर बाइक पर सूरज और रवि के साथ मछलीशहर से घर लौट रहा था। जैसे ही वे अनापुर-डमरुआ लिंक मार्ग के पास पहुंचा। सामने से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने उन्हें कुचल दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल घटना की खबर सुनकर परिजन प्रधानपति फुन्नीलाल सरोज के साथ थाने पहुंचे।

मातम और चीत्कार के बीच परिजनों ने न्याय की मांग की। पुलिस की कार्रवाई पुलिस ने जाम हटाकर आवागमन दुरुस्त किया और टैंकर को कब्जे में ले लिया है। फरार चालक की तलाश जारी है। यह हादसा क्षेत्र में शोक और आक्रोश का कारण बन गया है। ग्रामीणों ने हाइवे पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए कठोर कदम उठाने की मांग की है।

मणिपुर को लेकर अमित शाह ने की उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। गृह मंत्री अमित शाह ने आज राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का आकलन किया। राज्य में चुनौतीपूर्ण स्थिति के कारण केंद्र सरकार मणिपुर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की अतिरिक्त 50 कंपनियां तैनात करेगी, जिनमें कुल 5,000 से अधिक कर्मी होंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया। शनिवार को इंफाल घाटी के जिलों के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क उठी, क्योंकि भीड़ ने महिलाओं और बच्चों के शवों की बरामदगी को लेकर कई विधायकों के आवासों पर हमला किया और संपत्ति को नष्ट कर दिया।

5000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की होगी तैनाती

कल भी शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और गृह मंत्रालय के अधिकारियों को पूर्वोत्तर राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया। गृह मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा बलों को मणिपुर में व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से राज्य में सुरक्षा स्थिति नाजुक बनी हुई है। इसमें आगे कहा गया है कि संघर्ष में दोनों समुदायों के सशस्त्र उपद्रवी हिंसा में लिप्त रहे हैं, जिससे लोगों की जान चली गई और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित हुई। मामले से अवगत अधिकारियों ने कहा कि भाजपा विधायकों के आज शाम छह बजे मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के आवास पर मणिपुर की स्थिति पर समीक्षा बैठक करने की उम्मीद है।

यह कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) द्वारा एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा के नेतृत्व वाली मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के एक दिन बाद आया है। मेघालय के मुख्यमंत्री ने अपने राज्य में अशांति को कम करने में विफल रहने के लिए अपने मणिपुर समकक्ष को दोषी ठहराया, जहां मेइतीस और कुकी-जो समूहों के बीच हिंसा के कारण महीनों तक अशांति रही और राज्य में सामान्य जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

भाजपा के झूठे प्रचार के बीच कर्नाटक में कांग्रेस की गारंटी लागू की गई : डी के शिवकुमार

लातूर, 18 नवम्बर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महाराष्ट्र में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में अपने सभी चुनावी वादों को लागू किया है। शिवकुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह आरोप लगाए। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) वाला महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा और महाराष्ट्र को एक बेहतर सरकार देगा। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने अपनी पांच प्रमुख चुनावी गारंटियां लागू की हैं, जिनमें गृहणियों को 3,000 रुपये मासिक सहायता, किसानों के लिए तीन लाख रुपये तक की ऋण माफी, प्रति परिवार 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगार युवाओं के लिए 4,000 रुपये मासिक भत्ता और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि धनराशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में जमा की जा रही है। शिवकुमार ने अगस्त में महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा, आसमान छूती महंगाई ने नागरिकों पर भारी बोझ डाला है। उन्होंने इसके लिए धन का दुरुपयोग भी किया।

सपा का वन डिस्ट्रिक वन माफिया, यूपी को किया मटियामेटः सूर्य प्रताप

- **उप चुनाव में मझवा सहित सभी नौ सीटें जीतेगी भाजपा**
- **योगी सरकार वन डिस्ट्रिक वन उद्योग के फामूर्ले पर चलते हुए सपा के पाले-पोशे एक-एक अपराधी व माफिया का चुन-चुन कर खात्मा करने के बाद आर्थिक क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बना रही है**

सुरेश गांधी

वाराणसी। सपा सिर्फ और सिर्फ गुंडो, माफियाओं व बाहुबलियों की पार्टी रही। पांच बार के सरकार में सपा का फामूर्ला ही विकास की जगह वन डिस्ट्रिक वन माफिया का रहा, जबकि योगी सरकार वन डिस्ट्रिक वन उद्योग के फामूर्ले पर चल रही है। इसके अलावा सपा के पाले-पोशे एक-एक अपराधी व माफिया का चुन-चुन कर खात्मा करने के बाद योगी सरकार अब यूपी को न सिर्फ आर्थिक क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बना रही है, बल्कि खेल में भी यूपी नंबर वन पर आ गया है।

यह बातें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहीं। वे सोमवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यहीं नहीं रुके बल्कि सपा पर हमलावर होते हुए सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे का समर्थन करते हुए कहा कि जब बंटे थे तब देश का विभाजन हुआ था। देश के विभाजन में हिस्सेदार कांग्रेस का सपा साथी है। पीडीए का नारा समाज को बांटने की साजिश का एक बड़ा हिस्सा है। लेकिन प्रदेश की जनता उसके मंसूबे को सफल नहीं होने देंगी

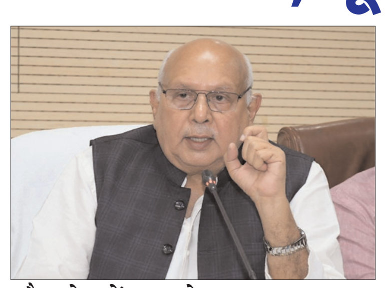

और प्रदेश में चल रहे उप चुनाव में भाजपा मझवा सहित सभी नौ की नौ सीटे जीतेगी।

शाही ने कहा कि वैसे भी सायकिल लोकसभा में विपक्ष एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेर रहा था, उसके पूर्व विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को घेर रहा था। लेकिन चुनाव बाद वे बिखर जाते हैं। बंग्लादेश और कनाडा के भीतर क्या हो रहा है जनता देख रही है और जनता इसे गंभीरता से लेगी। जो लोग समाज को बांटने का काम कर रहे हैं उन्हें जवाब देने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि भारत, मौजूदा समय में आर्थिक ताकत के साथ खेल के क्षेत्र में भी दुनिया की बड़ी ताकत उभरकर सामने आया है. चाहे वह ओलंपिक खेल हो या एशियाड. भारत के खिलाड़ी लगातार इन खेलों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए मेडल हासिल कर रहे हैं. यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेल को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया के तहत खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने खिलाड़ियों और कोच को अच्छी सुविधा मिल सके, इसके लिए खेल के बजट को 65 प्रतिशत बढ़ाते हुए 500 करोड़ के सापेक्ष 1950 करोड़ का कर दिया है. यही नहीं खिलाड़ियों के लिए राज्य सरकार की सेवाओं में आने के लिए भी योगी सरकार ने कई पदों को स्थाई तौर पर निश्चित कर दिया है. समूह ग की भर्ती में भी खेल कोटा एक प्रतिशत से बढ़कर दो प्रतिशत कर दी है.

पुरुषों के अस्तित्व एवं सुरक्षा की मांग क्यों उठने लगी?

-ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस-19 नवम्बर, 2024 पर विशेष

दुनिया में अब महिला दिवस की भांति पुरुष दिवस प्रभावी रूप में बनाये जाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। अब पुरुष भी अपने शोषण एवं उत्पीडित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। पुरुष दिवस दुनिया के 30 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम ह्यसकारात्मक पुरुष रोल मॉडलह्ण है। यह ऐसा एक वैश्विक उत्सव है जो पुरुषों के सकारात्मक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य, कल्याण और लैंगिक समानता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दिन पुरुषों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली चचाओं और कार्यों को बढ़ावा देने, सकारात्मक रोल मॉडल को प्रोत्साहित करने और अधिक समावेशी समाज की वकालत करने का अवसर प्रदान करता है।

कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी

चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं।

आज का पुरुष सिर्फ खुद को नहीं बल्कि महिलाओं के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ता है। वह यह सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें व उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। यह परिवर्तन आज सभी इंडस्ट्री जैसे मीडिया, हॉस्पिटैलिटी, बैंकिंग, उद्योग, व्यापार आदि में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जहां महिलाएं शीर्ष पदों पर काम कर रही हैं। सिर्फ यही नहीं पुरुषों को अब महिलाओं के नेतृत्व में कार्य करने में भी झिझक नहीं महसूस होती। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इस दिवस को मान्यता देते हुए इसकी आवश्यकता को बल दिया और पुरजोर सराहना एवं सहायता दी है। एक तरफ जहां महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वहीं पुरुषों की भी छवि समाज में बदलती जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व की बात करें तो पुरुषों को लेकर समाज में ढेरों रुढ़िवादी विचार थे, महिलाओं के शोषण एवं उसे दोयम दर्जा दिये जाने का आरोप उस पर लगता रहा है। जिनमें अब तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। पुरुष एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी जहां जीवन को परिपूर्णता देती है तो वहीं पुरुष ही इसका आधार है। नारी जन्मदात्री है तो पुरुष जीवन-निमार्ता है।

भारतीय समाज में ह्लमर्द को दर्द नहीं होताह्व या फिर जब कोई पुरुष रोता है तो ह्यमर्द बनो और रोना बंद करोह्ण जैसी बातें बोली जाती हैं। पिछले कई सालों से पुरुषों की समाज में संघर्षशील व कठोर छवि को प्रस्तुत किया गया है। लेकिन मुख्य सवाल है कि आखिर मर्द या पुरुष हैं कौन? जो घोड़े दौड़ाता है, शिकार करता है, या फिर जो अच्छे सूट में, चमचमाती कार में ऑफिस जाता है और घर पर भी अपनी तारीफ ही सुनना चाहता है। एक रौबदार छवि, आक्रांता, शोषक, असंवेदनशीलता एवं अत्याचारी वाली उसकी छवि क्या वास्तविक छवि है? असल में पिछले कुछ वर्षों में मर्द की परिभाषा में एक उदारवादी एवं संवेदनशील बदलाव देखने को मिला है। अब पुरुष या मर्द वो नहीं जो हमें अब तक पूर्वाग्रही रूढ़िवादी मानसिकता बताती हैं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा वो है ऐसा आधारस्तंभ है जो जिम्मेदारी उठाता है, जो सिर्फ चमकदार जूते एवं कपड़े ही नहीं पहनता बल्कि समाज व देश को भी चमकदार बनाने के लिए आगे आता है, परिवार की जिम्मेदारियों को ढोता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो पुरुषों और लड़कों की चुनौतियों और अनुभवों को पहचानने और उनका समाधान करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक पुरुषत्व और लैंगिक समानता के बारे में बातचीत को प्रोत्साहित करता है। पुरुषों के मुद्दों को संबोधित करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लैंगिक समानता एक सामूहिक प्रयास है, जिससे पुरुष और महिला दोनों को लाभ होता है, तथा पुरुषों की भलाई पर ध्यान देना इस यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा है। समाज रूपी गाड़ी को सही से चलाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं उसका विरोधी होने के बजाय सहयोगी बने। उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां के रूप में नारी को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता के रूप में पुरुष का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। महिला ममता का सागर है पर पुरुष उसका किनारा है। महिला से ही बनता घर है पर पुरुष घर का सहारा है। महिला से स्वर्ग है महिला से बैकुंठ, महिला से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पुरुष ही है। उन्हीं पुरुषों के सम्मान में पुरुष दिवस मनाया जाता है।

दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत भी घरेलू हिंसा की समस्या से जूझ रहा हैं। महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। ह्यसेव इंडियन फैमिली फाउंडेशनह्व और ह्यमाई नेशनह्व नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी तथ्य सामने आया है कि पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। लेकिन यह एक सच्चाई है कि अब महिलाओं की भांति पुरुष भी हिंसा, उत्पीडन एवं उपेक्षा के शिकार है। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं। बड़ा सच है कि जीवन में जब भी निर्माण की आवाज उठेगी, पौरुष की मशाल जगेगी, सत्य की आंख खुलेगी तब हम, हमारा वो सब कुछ जिससे हम जुड़े होंगे, वो सब पुरुष का कीमती तौहफा होगा, इस अहसास को जीवंत करके ही हमें पुरुष-दिवस को मनाने की सार्थकता पा सकेंगे।

लोकतंत्र केमहापर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग करना आवश्यक

अशोक भाटिया

20 नवंबर 2024 देश के दो राज्यों में विधानसभा का चुनाव जोर - शोर से हो रहा है। महाराष्ट्र में 20 तारीख को सम्पूर्ण प्रान्त व झारखण्ड में दूसरे चरण की 38 पर व कुछ राज्यों में उपचुनाव की 14 सीटों पर लोकतंत्र का पर्व मनाया जा रहा है । 13 नवंबर को झारखण्ड की 43 विधानसभा सीटों व कुछ सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान हो चूका है । चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान इन सीटों पर करीब 65 प्रतिशत मतदान हुआ था, लेकिन इस बार प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार ही 66 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के लगातार प्रयत्न के बावजूद यह वृद्धि नगण्य हैं ।और तो और 13 तारीख को वायनाड जैसी प्रतिष्ठा की सीट जहाँ कांग्रेस की नेता प्रियंका गाँधी चुनाव लड़ रही थी पहले से 9 प्रतिशत कम मतदान हुआ।

आशा है अब 20 नवंबर के चुनाओं में चुनावी प्रदेशों के लोग अपने मताधिकार का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करेंगे। देश का चुनाव आयोग भी हरसंभव प्रयास करता है कि हम सब वोट डालने के अधिकार का प्रयोग करें और देश में प्रजातंत्र की जड़ें और मजबूत करें। सर्वविदित है कि भारत में चुनावों का आयोजन भारतीय संविधान के तहत भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। यह एक अच्छी तरह स्थापित परंपरा है कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद कोई भी अदालत चुनाव आयोग द्वारा परिणाम घोषित किए जाने तक किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। इसके बावजूद अनेक मतदाता अपने वोट डालने के अधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं। वोट डालने का मकसद देश में आजादी के महत्त्व को सार्थक बनाना है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत नहीं तय करते, बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। एक वोट में काफी वजन होता है। यह ठीक है कि वोट के अधिकार को लेकर काफी बहस चलती रहती है। वोट को एक महत्त्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए इसे हासिल करने के लिए कुछ उम्मीदवार मतदाताओं को धमकाने से भी नहीं बाज आते। लेकिन सभी को एक वोट का अधिकार देकर लैंगिक, धार्मिक और अन्य भेदभावों के बावजूद बराबरी का संदेश दिया जाता है। इस नैतिक दृष्टि से वोट देने का अधिकार सार्वभौमिक हो जाता है। वोट डालना क्यों जरूरी है, आइए जानें हम समझें कि अगर आप अपने हितों के लिए वोट नहीं करेंगे तो कौन करेगा? चुनाव और सरकार लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए होते हैं। चुनावी लोकतंत्र में वोट का बहुत महत्व होता है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत नहीं तय करते बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। इसलिए एक वोट में काफी वजन होता है। हालांकि, हाल के दिनों में वोट के अधिकार को लेकर काफी बहस चलती है। वोट को एक महत्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए इसे हासिल करने के लिए कुछ उम्मीदवार मतदाताओं को धमकाने से भी नहीं बाज नहीं आते। यहां मतदाता नहीं बल्कि उम्मीदवार एक वोट का वजन या महत्व तय कर रहे हैं। यौन कर्मियों, आदिवासियों और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का यह अनुभव है कि उम्मीदवार उनके पास वोट मांगने नहीं आते। उम्मीदवारों को लगता है कि ऐसा करने से जो फायदा होगा, उससे अधिक नैतिक लाभ इन लोगों के पास नहीं जाने से होगा। मतदाताओं को वोट देने का खोखला अधिकार तो है लेकिन यह अधिकार नहीं है कि उनके पास उम्मीदवार आएं। ऐसे में उन्हें लगता है कि उनके वोट का कोई मतलब ही नहीं है।

लोगों को सिर्फ दर्शक बने रहने और शिकायत करने के बजाय लोकतंत्र की सफलता के लिए इसमें भाग लेना चाहिए। युवाओं के लिए मतदान उनका संवैधानिक अधिकार है। उनके द्वारा चुनी गई सरकार उनके भविष्य के लिए किए गए निर्णयों को प्रभावित करेगी जो चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एक अच्छा और पर्याप्त कारण है। दुनिया में अभी भी कुछ ऐसे देश हैं जहां लोग अपनी सरकार चुनने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं है। मतदान एक अधिकार और विशेषाधिकार है जिसे पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई लड़ी है। हमें इसकी सराहना करनी चाहिए और स्वेच्छा से हर मौके पर इसे करना चाहिए। भारत जैसा युवा देश जिसकी 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम है, उस देश के युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वे अशिक्षित लोगों को वोट का महत्व बताकर उनको वोट देने के लिए बाध्य करें। लेकिन यह विडंबना है कि हमारे देश में वोट देने के दिन लोगों को जरूरी काम याद आने लग जाते हैं। कई लोग तो वोट देने के दिन अवकाश का फायदा उठाकर परिवार के साथ पिकनिक मनाने चले जाते हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो घर पर होने के बावजूद अपना वोट देने के लिए वोटिंग बूथ तक जाने में आलस करते हैं। इस तरह गैर-जागरूक, उदासीन व आलसी मतदाताओं के भरोसे हमारे देश के चुनावों में कैसे सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही एक तबका ऐसा भी है जो प्रत्याशी के गुण न देखकर धर्म, मजहब व जाति देखकर अपने वोट का प्रयोग करता है। यह कहते हुए बड़ी ग्लानि होती है कि वोटिंग के दिन लोग अपना वोट संकीर्ण स्वार्थ के चक्कर में बेच देते हैं। यही सब कारण है कि हमारे देश के चुनावों में से चुनकर आने वाले अधिकतर लोग दागी और अपराधी किस्म के होते हैं। याद रहे कि पांच वर्ष बाद हमारा लोकतंत्र हमें अपनी तकदीर लिखने का मौका देता है जिसका उपयोग जरूर होना चाहिए। इस दौरान मतदान से पहले तथाकथित लोगों द्वारा मिलने वाले प्रलोभन से परहेज करना चाहिए। हम सभी को अपने मतों का प्रयोग करके चुनाव को शत-प्रतिशत मतदान तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए। जिस पार्टी का जो नेता आप चाहते हैं, उसे आप वोट डालिए।

वे सभी नेता देश के नागरिक हैं और चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त हैं। इसलिए उस क्षण तक वे जनता के प्रतिनिधि हैं। उन पर किसी प्रकार का आरोप या प्रत्यारोप नहीं लगा सकते। आपका कीमती वोट किसी भी नेता का मूल्यांकन कर सकता है। जो आप चुनेंगे वो जीत कर आएगा और यदि शत-प्रतिशत वोटिंग की जाती है तो उस जीते हुए प्रतिनिधि की सोच बदल सकती है और वह हर क्षेत्र के हर व्यक्ति के लिए काम कर सकता है, जैसे कि बिजली, पानी, सुरक्षा, शिक्षा, पेंशन, बाग-बगीचे, सडकें आदि-आदि। देश का नागरिक मतदान कर-के अपने कत्त्रव्य को निभाता है। देश के नागरिक का धर्म है कि वह मतदान में हिस्सा ले और किसी ईमानदार प्रतिनिधि को चुने, जो देश का विकास कर सके। यह हम देशवासियों के हाथ में होता है कि हम किस तरह की सरकार चाहते हैं। आइए, सोचें कि हम लोग अपनी बेटी का किसी से विवाह करने से पहले पूरी तहकीकात करते हैं। लेकिन इसके विपरीत वोट ऐसे ही किसी को भी उठाकर दे देते हैं। वोट भी तो बेटी ही है न। हम तब तक अच्छी व्यवस्था खड़ी नहीं कर पाएंगे जब तक हम वोट का महत्व और अपने मतदाता होने के फर्ज को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभा नहीं देते हैं। चुनाव प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण समझकर चुनाव के दिन घर में ही रहने का प्रयास न करें, अपितु परिवार के साथ घर के बाहर निकलकर वोट जरूर डालें और देश में लोकतंत्र की प्रक्रिया को सफल बनाएं। गौरतलब है की इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब महज एक वोट की हार से तख्तापलट हो गया चूका है। सन 1999 में एआईएडीएमके के समर्थन वापस लेने के बाद वाजपेयी सरकार को विश्वास प्रस्ताव रखना पड़ा। विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 269 और विरोध में 270 वोट पड़े और सरकार एक वोट के अंतर से गिर गई थी ।2008 में राजस्थान विधानसभा के चुनाव में सीपी जोशी को 62,215 व कल्याण सिंह को 62,216 वोट मिले। तब जोशी सीएम के दावेदार थे। खास ये कि उनकी मां, पत्नी व ड्राइवर ने वोट नहीं डाला था। और तो और हार के कारण कांग्रेस नेता सीपी जोशी सीएम नहीं बन पाए थे । 2004 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जेडीएस के एआर कृष्णमूर्ति को 40,751 मत मिले और कांग्रेस के आर ध्रुवनारायण को 40,752। छुट्?टी न देने के कारण उनका ड्राइवर वोट नहीं डाल पाया था और एआर कृष्णमूर्ति विधायक बनने से चूक गए थे । 1875 : फ्रांस में तो सत्ता का पूरा रूप ही बदल गया था। एक वोट की जीत से ही फ्रांस में राजशाही खत्म हुई और लोकतंत्र का आगाज हुआ। वरना वहां के लोग अब तक राजशाही ही ढो रहे होते।1776 में अमेरिका को एक वोट की बदौलत ही जर्मन की जगह अंग्रेजी के रूप में उनकी मातृभाषा मिली थी। यहां 1910 में रिपब्लिक उम्मीदवार एक वोट से हार गया था और पार्टी मानो शोक में डूब गई थी।1923 में जर्मनी के लोगों से पूछिए एक वोट की ताकत क्या होती है, क्योंकि साल 1923 में एडोल्फ हिटलर एक वोट के अंतर की जीत से ही नाजी दल का मुखिया बना था।1876 में 19वें अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में रदरफोर्ड बी हायेस ने 185 वोट हासिल किए थे और सैमुअल टिलडेन ने 184 । यह तो चंद उदहारण है बाकि तो थोड़े वोटो से कई उम्मीदवारों की हार जीत होते हुए हमने देखा है ।

युवा शक्ति के प्रतीक एवं प्रेरणा-स्रोत आईपीएस मनुमुक्त 'मानव', जिन्हें एक दशक बाद भी भुला पाना संभव नहीं

-प्रियंका सौरभ

(42वीं जन्म-जयंती पर विशेष)

मनुमुक्त के पिता डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। ? यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की।

नियति का यह कैसा दुखद विधान है कि विशिष्ट प्रतिभाओं को यहाँ अत्यल्प जीवन ही मिलता है। आदि शंकराचार्य से लेकर स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, श्रीनिवास रामानुजन, भारतेंदु हरिश्चंद्र और रांगेय राघव तक, एक लंबी सूची है ऐसे महापुरुषों? की, जो अपनी चमक बिखेरकर अल्पायु में ही इस दुनिया से विदा हो गए। भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारी मनुमुक्त 'मानव' भी एक ऐसे ही प्रतिभा-पुंज थे, जिन्हें काल ने असमय ही अपना ग्रास बना लिया।

28 अगस्त, 2014 को बहुमुखी प्रतिभा के धनी, अत्यंत होनहार और प्रभावशाली पुलिस अधिकारी मनुमुक्त की 30 वर्ष, 9 माह की अल्पायु में नेशनल पुलिस अकेडमी, हैदराबाद (तेलंगाना) के स्विमिंग पूल में डूबने से, संदिग्ध परिस्थितियों में, मृत्यु हो गई थी। स्विमिंग पूल के पास ही स्थित ऑफिसर्स क्लब में चल रही विदाई पार्टी के बाद, आधी रात को जब मनुमुक्त का शव स्विमिंग पूल में मिला, तो अकेडमी में ही नहीं, पूरे देश में हड़कंप मच गया, क्योंकि यह अकेडमी के 66 वर्ष के इतिहास में घटित होने वाली पहली इतनी बड़ी दुर्घटना थी। यहीं यह बताना भी आवश्यक है कि इतनी मर्मांतक और दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी के बाद भी इस मामले की न तो? ठीक-से जांच हुई और न ही किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर, उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गई। मनुमुक्त के पिता डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। ? यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की।

उल्लेखनीय है कि मनुमुक्त 2012 बैच और हिमाचल प्रदेश काडर के परम मेधावी और ऊर्जावान पुलिस अधिकारी थे। 23 नवंबर, 1983 को हिसार (हरियाणा) में जन्मे तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा प्राप्त मनुमुक्त ने 'सी' सर्टिफिकेट सहित एनसीसी की सभी सर्वोच्च उपलब्धियाँ प्राप्त की थीं। वह बहुत अच्छे चिंतक होने के साथ-साथ बहुमुखी कलाकार और सफल फोटोग्राफर भी थे; सेल्फी के तो मास्टर ही थे। उनकी समाज-सेवा में भी बड़ी रुचि थी। वह अपने दादा-दादी की स्मृति में अपने पैतृक गाँव में स्वास्थ्य-केंद्र तथा नारनौल में सिविल सर्विस एकेडमी स्थापित करना चाहते थे। देश और समाज के लिए उनके और भी बहुत सारे सपने थे, जो उनकी असामयिक मृत्यु के साथ ही ध्वस्त हो गए।

इकलौते जवान आईपीएस बेटे की मृत्यु मनुमुक्त के पिता, वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' तथा माता अर्थशास्त्र की पूर्व प्राध्यापिका डॉ. कांता भारती के लिए भयानक वज्रपात से कम नहीं थी। कोई अन्य दम्पत्ति होता, तो शायद टूटकर बिखर जाता, लेकिन 'मानव' दम्पत्ति ने अद्भुत धैर्य और साहस का परिचय देते हुए, न केवल इस अकल्पनीय-असहनीय पीड़ा को झेला, बल्कि अपने बेटे की स्मृतियों को सहेजने और सजीव बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास भी प्रारंभ कर दिए। उन्होंने अपनी संपूर्ण जमापूंजी लगाकर 10 अक्टूबर, 2014 को मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट का गठन किया और नारनौल में 'मनुमुक्त भवन' का निर्माण कर उसमें वातानुकूलित लघु सभागार, संग्रहालय और पुस्तकालय की स्थापना की। ट्रस्ट द्वारा अढाई लाख का एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, एक लाख का एक राष्ट्रीय पुरस्कार, 21-21 हजार के दो तथा 11-11 हजार के तीन राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय

पुरस्कार और सौ मनुमुक्त 'मानव' स्मृति-सम्मान प्रारंभ किए। दोनों बड़े पुरस्कार फिलहाल स्थगित? हैं, किंतु शेष सभी पुरस्कार-सम्मान? प्रतिवर्ष, नियमित रूप से, प्रदान किए जा रहे हैं। 'मनुमुक्त भवन' में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी निरंतर चलते रहते हैं, जिनमें अब तक भारत के अतिरिक्त जापान, फीजी, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, नेपाल, श्रीलंका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे, तुर्की, रूस, मॉरिशस, कोस्टारिका, अमेरिका, कनाडा आदि दो दर्जन देशों की लगभग पांच सौ विशिष्ट विभूतियाँ सहभागिता कर चुकी हैं। ट्रस्ट द्वारा ऑन लाइन आयोजित कार्यक्रमों में तो 55-60 देशों के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख साहित्यकार, पत्रकार, फिल्मकार, शिक्षाविद्, समाजसेवी, पर्यावरणविद्, खिलाड़ी, पर्वतारोही, प्रशासनिक अधिकारी और राजनेता जुड़ चुके हैं तथा यह सिलसिला अब भी जारी है। मात्र सात वर्ष की अल्पावधि में ही, अपनी उपलब्धियों के कारण, नारनौल का 'मनुमुक्त भवन' अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका है। ट्रस्ट द्वारा 15 अगस्त, 2021 में, भारत की स्वतंत्रता के अमृत-महोत्सव के अवसर पर आयोजित 'वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय कवि-सम्मेलन' को, विश्व के सर्वाधिक देशों के सबसे बड़े कवि-सम्मेलन के रूप में 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज किया जा चुका है। छह महाद्वीपों और इक्यावन देशों के पिचहतर कवियों ने इस कवि-सम्मेलन में एक साथ काव्य-पाठ कर यह विश्व-रिकॉर्ड बनाया था।

मनुमुक्त 'मानव' युवा शक्ति के प्रतीक ही नहीं, प्रेरणा-स्रोत भी थे। देहांत के एक दशक बाद भी उन्हें बड़े सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। परिवार ने मीडिया, सोशल मीडिया और फेसबुक के माध्यम से उनकी प्रेरक स्मृतियों को जीवित रखा हुआ है। इसके लिए मनुमुक्त की बड़ी बहन और विश्वबैंक, वाशिंगटन डीसी (अमरीका) की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. एस अनुकृति का भी भरपूर सहयोग रहता है। अंत में मनुमुक्त की बैचमेट, भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और संप्रति धमतरी (छत्तीसगढ़) की जिलाधिकारी नम्रता गांधी के शब्दों में इतना ही कहा जा सकता है, ₹मनुमुक्त हमारे लिए बड़े भाई, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। उनके व्यक्तित्व में उत्तम हास्य का समावेश था, वहीं उनका दिल भी विशुद्ध सोने का बना था। उनके अंतर्मन में बड़ी गहराई थी, जिसका बाहर से अनुमान लगाना कठिन था। वह शानदार प्रशासक, स्वाभाविक नेता, श्रेष्ठ टीम-खिलाड़ी, सम्मानित वरिष्ठ, विश्वसनीय कनिष्ठ और सबके चहेते साथी तथा सहयोगी थे। हममें से किसी के लिए भी उन्हें भुला पाना संभव नहीं है।

शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी संग्रहालय बचाने हेतु 'शहीद सम्मान रथयात्रा' के मायने

1990 के वर्ष में लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी एक धार्मिकता के पर्दे तले राजनीतिक यात्रा निकाली थी, जिसे रोकने के लिए स्वामी अग्निवेश आदि ने इन्हें इस यात्रा को रोकने के लिए समझाया था। मामला अयोध्या में राममन्दिर निर्माण का था तो सरकार ने प्रस्ताव दिया कि धार्मिक-सामाजिक सौहार्द ना बिगड़े इसलिए अयोध्या में राममन्दिर बने किन्तु विवादित जमीन से हटकर। एक तरह से विवाद का समाधान कर दिया गया था, पर आडवाणी ने कहा यह यात्रा जारी रहेगी। यात्रा का मकसद केवल मन्दिर निर्माण नहीं बल्कि इरादे और भी हैं।

7 अगस्त 1990 को तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू करने की घोषणा की थी जिससे पिछड़े वर्ग के युवाओं के लिए नौकरियों में आरक्षण लागू होना था। इसके लागू होने से उन्हें सरकारी नौकरियों में भागीदारी मिल जानी थी। लेकिन 12 सितंबर 1990 को आडवाणी ने अपनी रामयात्रा शुरू कर दी। उनकी इस यात्रा को धार्मिक उन्माद फैलाकर प्रधानमंत्री जी के इस प्रस्ताव के विरोध की मानसिकता के रूप में देखा गया। उस यात्रा से कितनी जन-मन-धन की हानि हुई यह विचारणीय व गणनीय है किंतु यात्रा जिस मकसद से निकाली गई उसमें उन्होंने जरूर सफलता पाई। कहने का तात्पर्य यही है कि यात्राओं के उद्देश्य, लक्ष्य और एजेंडे दीर्घ, गहरे और बड़े मकसद वाले होते हैं। यद्यपि यात्रा के अगुआ की मानसिकता इसके मकसद को निर्धारित करती है।

अब आते हैं देवरिया से शुरू की गई 'शहीद सम्मान यात्रा' पर। यह यात्रा तिंदवारी से पूर्व विधायक बृजेश जी के नेतृत्व में दिलीप चौधरी व देवा रावत के संग 'वह नन्हा सरफरोश संग्रहालय बचाओ समिति' के द्वारा निकाली जा रही है। मकसद शहीद के सम्मान में बनाए गए संग्राहलय में किए जा रहे सरकारी अतिक्रमण को रोकना है। इससे पहले बीते दिनों बृजेश द्वारा संग्रहालय प्रांगण में तीन दिन की भूख हड़ताल की गई थी जिससे प्रशासन पर दबाव बना और फिलहला अतिक्रमण रोक दिया गया है, किन्तु राजकीय स्तर पर कोई लिखित आश्वासन नहीं दिए जाने के कारण यह यात्रा विरोध स्वरूप शुरू

की गई है।

इस यात्रा के भी बड़े गहन मायने हैं। सोता हुआ समाज, पिछड़ा हुआ समाज, अंधविश्वास में डूबा हुआ समाज, धार्मिक अंधता में जकड़ा हुआ समाज जाग्रत करना सबसे बड़ा उद्देश्य है। बृजेश जी एक राजनीतिक व्यक्ति हैं किंतु इस यात्रा ने उनकी छवि में एक समाज-चेता का नया रूप उभारा है। राजनीति कभी-कभी छप्पर फाड़कर देती है लेकिन एक सामाजिक उद्धारकर्ता की छवि बनाने में उम्र लग जाती है। असल में सामाजिक नेता को समाज के लिए मरना नहीं बल्कि जीना पड़ता है। आदरणीय सन्तराम बी.ए. कहते थे, ₹समाज के लिए जीना सबसे मुश्किल होता है।₹ और यही मुश्किल टास्क बृजेश ने अपने हाथ में लिया है।

समाज केवल राजनीतिक रूप से जाग्रत हो उससे काम सिद्ध नहीं होता, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक व बौद्धिक जागृति भी आनी ही चाहिए। उद्देश्यपूर्ण यात्राएँ पिकनिक नहीं होती बल्कि बीड़ा होती हैं, संघर्ष होती हैं, उद्यम होती हैं। ये बिना कुछ कहे भी बहुत कुछ कह जाती हैं। बिना बताए बहुत कुछ समझा जाती हैं, बिना पुकारे ही जगा जाती हैं।

यात्राएँ मुफ्त में नहीं होती। बहुत खर्च हो जाता है। यात्राकर्ता विशेषकर पिछड़े समाज से आने वाला किसी पर आश्रित होकर अपना काम शुरू नहीं करता। समाज सम्हाल ले तो ठीक अन्यथा लुटने-पिटने व आर्थिक हानि उठाने की हिम्मत लेकर तो चलता ही है। समाज का सांस्कृतिक, सामाजिक, बौद्धिक, राजनीतिक जागरण हो जाए बस यही उद्भावना होती है।

अमर बाल शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी के बलिदान की कहानी लोमहर्षक है। पढ़ने-सुनने वाले को झनझना देती है। एक तेरह वर्ष के मासूम से बालक रामचन्द्र प्रजापति द्वारा महा-वैरी को ललकार कर देश के लिए किए गए उच्चतम बलिदान की इससे प्रकृष्ट जीवनगाथा अन्यत्र नहीं मिलती। सन् 1942 के 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' आंदोलन में शहीद हुए इस परमवीर बालक की जिस कहानी को इस देश के बच्चों के मन-मन में होना चाहिए उसे सरकार खुद उसके 'स्मरण स्थल' पर अतिक्रमण करके दबा देना चाहती है, बेहद दुःखद है। बृजेश जी वाकई धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने पहले भूख हड़ताल करके और अब उत्तरप्रदेश के प्रत्येक जिले में यह 'शहीद सम्मान यात्रा' निकालने का उत्तम कार्य किया है। अपनी तमाम बाधाओं, आर्थिक संकटों व समय की बाध्यताओं के उपरांत मैदान में डंटे हुए हैं।

यात्राओं के नकारात्मक उद्देश्य व परिणाम भी होते हैं किंतु यह यात्रा निःसन्देह विशेषकर पिछड़े समाजों के लिए महान उद्देश्यों की पूर्ति करने में जरूर सफल होगी।

-डॉ. कंवल किशोर प्रजापति

हम बिहार की परंपराओं का सम्मान करते हैं और समुदायों को और करीब लाने का लक्ष्य रखते हैं : विवेक कुक्कल

देवघर। आईटीसी आशीर्वाद स्वस्ति ने छठ पूजा के अवसर पर एक भावपूर्ण गीत लॉन्च किया था, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायिका 'रेखा भारद्वाज' की आवाज है। परंपरा और संगीत कला के प्रेरक मिश्रण में, यह गीत त्योहार के गहरे सांस्कृतिक महत्व का उत्सव मनाता है, जिसे रेखा भारद्वाज की शक्तिशाली और भावनात्मक आवाज के माध्यम से दशार्या गया था। लॉन्चिंग कार्यक्रम झारखंड के जमशेदपुर, देवघर, धनबाद एवं रांची में एक साथ हुआ। यह गीत अलाइव इंडिया म्यूजिक फाउंडेशन के साथ मिलकर बनाया गया था, जिसके नेतृत्व गायक, संगीतकार और गीतकार सुप्रतीक घोष हैं। इस सहयोग पर बोलते हुए, रेखा भारद्वाज ने कहा, मेरे लिए पहला छठ पूजा गीत बनाना एक बहुत ही खुशी की बात रही है।

महाराष्ट्र को अंधेरे में धकेल देने वाला महाअघाड़ीः जेपी नड्डा

नवी मुंबई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवी मुंबई में एक चुनावी रैली में कहा कि हम ऐसी सरकार दे रहे हैं जो लोगों के प्रति जवाबदेह है। उन्होंने कहा कि आर्थिक नीति के मोर्चे पर दुनिया को प्रधानमंत्री मोदी में उम्मीद की किरण नजर आ रही है। नड्डा ने कहा कि दस साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महायुति और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राजनीति की एक नयी संस्कृति और परिगढ़ी है।

जे पी नड्डा ने कहा कि आज हमारी सरकार, 'जो कहा था, वो किया है और जो नहीं कहा था, वो भी किया है' ऐसी राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को 5वें नंबर पर पहुंचाया है। आज भारत, ब्रिटेन को पीछे छोड़ दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनाइए, मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

नड्डा ने कहा कि महायुति, एक उगता सूरज है, जो महाराष्ट्र को रोशनी देगा, जबकि महाअघाड़ी महाराष्ट्र को अंधेरे में धकेल देने वाला है। महायुति, महाराष्ट्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है, जबकि महाअघाड़ी आपकी तकलीफों को और बढ़ाएगा।

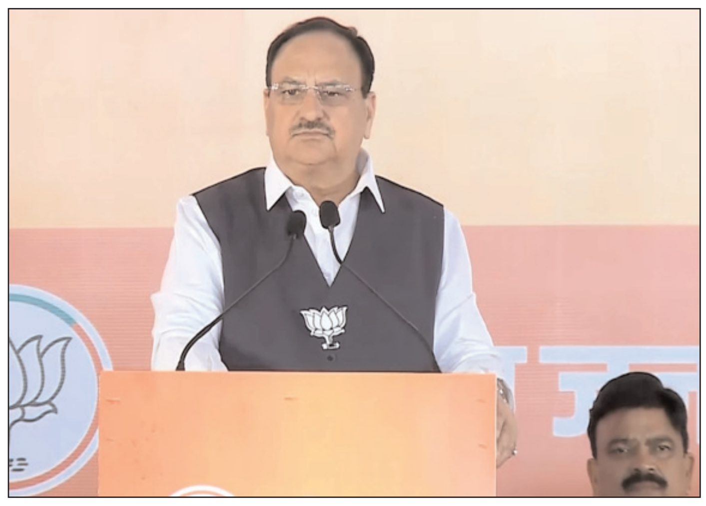

विपक्ष पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि आज राहुल गांधी, संविधान की पुस्तक लेकर घूमते हैं। उन्होंने संविधान की पुस्तक को पढ़ा नहीं है, बस लेकर घूमते हैं। क्योंकि बाबा साहेब ने संविधान में लिखा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आज कर्नाटक में प्राइवेट ठेकेदारों को टेंडर देने में भी मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। आज तेलंगाना में SC-ST-OBC के आरक्षण को मुसलमानों को देने की साजिश रची जा रही है।

उन्होंने दावा किया कि बाला साहब ठाकरे ने कहा था कि अपनी पार्टी खत्म कर दूंगा, लेकिन कांग्रेस के साथ समझौता नहीं करूंगा, लेकिन आज उद्धव ठाकरे सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में जा बैठे हैं।

बाला साहब ठाकरे के विचारों को एकनाथ शिंदे जी ने आगे बढ़ाया है। उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लिए अपने पिता के विचारों को ताक पर रखकर कांग्रेस के साथ जिस प्रकार से समझौता किया है, उसके लिए महाराष्ट्र आपको (उद्धव ठाकरे) कभी माफ नहीं करेगा।

21 नवंबर को लाइट+एलईडी एक्सपो इंडिया 2024 का आयोजन

मुंबई। भारत का अग्रणी एक्सपो लाइट+एलईडी एक्सपो इंडिया 2024 इस साल ला रहा है एलईडी और इंटेलिजेंट लाइटिंग के क्षेत्र के नए और आधुनिक समाधान 21 से 23 नवंबर 2024 के बीच नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि (आई आई सी सी) में। 6 देशों के 240 से ज्यादा प्रदर्शकों के साथ यह बी2बी इवेंट घरों, ऊंची इमारतों, स्थापत्य कला, अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों के लिए कुछ अनूठे और नए समाधान पेश करेगा। भारत की उर्जा दक्षता की यात्रा में एलईडी ने एक बेहद महत्वपूर्ण उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है, और इसका उपयोग घरों और औद्योगिक क्षेत्रों से लेकर अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से किया जा रहा है जैसे कि आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाइन, अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट। उन्नत ज्योति बाय अफोर्डेबल एलईडी फॉर ऑल (उजाला) और एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम (एसएलएनपी) जैसी सरकारी योजनाओं के चलते एलईडी के क्षेत्र को एक बेहतरीन बढ़त मिली है, जिससे खर्च भी कम हो रहा है, ऊर्जा दक्षता भी बढ़ रही है और यह पर्यावरण हितैषी भी है। इसके अलावा, भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग के विस्तार से एलईडी उद्योग में भी एक क्रांति आने की उम्मीद है, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़ेगा, हम जल्द ही ऊर्जा दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, और भारत को सेमीकंडक्टर और विविध लाइटिंग उत्पादों के निर्माण के क्षेत्र में विश्वगुरु के रूप में स्थापित कर पाएंगे।

मुंबई में क्लीन इंडिया शो का आयोजन

मुंबई। स्वच्छता से जुड़ी तकनीक के प्रदर्शन को समर्पित भारत का सबसे बड़ा समग्र एक्सपो - क्लीन इंडिया शो अपने अन्य समानांतर शो - वेस्ट टेक्नोलॉजी इंडिया एक्सपो, लॉन्ड्रेक्स इंडिया एक्सपो और ऑटोकेयर एक्सपो के साथ 21 से 23 नवंबर 2024 तक मुंबई के बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में 600 ब्रांड और 172 प्रदर्शकों द्वारा साफ-सफाई, स्वच्छता से जुड़े समाधानों का प्रदर्शन किया जाएगा। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और मटेरियल रीसाइकलिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम की इस वर्ष की थीम ह्स्वीपिंग चेंजेस इन ऑटोमेशन, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशनह्व है। भारत की मौजूदा स्वच्छता से जुड़ी जरूरतों को देखते हुए इस शो में प्रोफेशनल क्लीनिंग सॉल्यूशन और इक्विपमेंट सेगमेंट में कई तरह के उत्पाद, नवाचार, तकनीक और मैकेनाइज्ड और ऑटोमेटेड क्लीनिंग के लिए बनाए गए सिस्टम प्रदर्शित किए जाएंगे। आज भारत में स्वच्छता-उद्योग बड़े बदलावों का सामना कर रहा है और ऐसी तकनीकें उभरकर आ रही हैं, जिससे मानव श्रम कम हो सके और काम की गुणवत्ता और उत्पादकता में इजाफा हो सके।

आसियान इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल का आयोजन

मुंबई। आसियान इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल 2024 को लेकर दर्शक रोमांचित हैं, क्योंकि इसमें परफॉर्म करने के लिये कलाकारों की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। इस साल के फेस्टिवल में भारत के टॉप कलाकारों और आसियान के प्रतिभाशाली बैंड्स की प्रस्तुतियों का रोमांचक संगम दिखेगा। यह संगीत की विविध परंपराओं का अनुभव देने वाला एक अनूठा अवसर होगा। इस फेस्टिवल की शुरूआत पुराना किला, नई दिल्ली में 29 नवंबर को शाम 6:30 बजे से सभी के लिये फ्री एंट्री के साथ होगी। इसमें भारत के सबसे चहेते म्यूजिक आइकॉन्स में से दो - रघु दीक्षित और शान की प्रस्तुतियाँ होंगी। यह एनर्जी 30 नवंबर तक बनी रहेगी और उस वक्त शानदार वेस्टर्न घाट्स तथा सुकृति-प्रकृति की उत्साह से भरी जोड़ी प्रस्तुतियाँ देगी जिनका अंदाज एकदम अलग होगा और वो स्टेज पर तरह-तरह के सुरों को प्रस्तुत करेंगे। इस फेस्टिवल का भव्य समापन 1 दिसंबर को जसलीन रॉयल की प्रस्तुति से होगा, जिन्हें दिल को छू लेने वाले अपने गानों के लिये जाना जाता है। उनके गाने दुनियाभर में संगीत के शौकीनों का दिल जीत चुके हैं। इस फेस्टिवल में भारतीय कलाकारों के अलावा आसियान बैंड्स का एक शानदार लाइन-अप भी होगा और दर्शकों को आसियान क्षेत्र की समृद्ध एवं विविधतापूर्ण संगीत परंपराओं का अनुभव मिलेगा। इस साल के फेस्टिवल में परफॉर्म करने जा रहे हैं थाइलैण्ड के टेलीविजन ऑफ, वियत नाम के बक थुओंग, मलेशिया के फ्लोर 88, सिंगापुर के सबसोनिक आई, कम्बोडिया के चेट कन्हचना, म्यांमार के एमआरटीवी, फिलिपिन्स के काइया, आदि।

मीशो ने प्रोजेक्ट विश्वास के साथ ऑनलाईन धोखाधड़ी के खिलाफ मुहिम तेज की, 2.2 करोड़ से ज्यादा संदिग्ध लेन-देन रोके

मुंबई/पटना। भारत के एकमात्र ट्रू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने आज अपनी ट्रस्ट एश्योरेंस रिपोर्ट का दूसरा संस्करण पेश किया। इस रिपोर्ट में सुरक्षा बढ़ाने और यूजर का विश्वास स्थापित करने के लिए सक्रिय उपाय व प्रयासों के बारे में बताया गया है। टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन, उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सहयोग, और मजबूत सुरक्षा उपायों पर जोर देते हुए मीशो अपने ग्राहकों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बन गया है। प्रोजेक्ट विश्वास के अंतर्गत, कंपनी अपनी समर्पित विश्वास व सुरक्षा टीम को मजबूत बनाने के लिए निरंतर निवेश कर रही है। यह टीम प्लेटफॉर्म पर यूजर का विश्वास स्थापित करने और बनाए रखने पर केंद्रित है। रिस्क इंटैलिजेंस विशेषज्ञों की मदद से अपनी क्षमताओं को मजबूत करते हुए कंपनी इस परिवर्तनशील परिदृश्य में सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए तैयार है। मीशो ने पिछले 12 महीने में 2.2 करोड़ से ज्यादा जाली विनिमयों को रोका है। इसके अलावा, मीशो ने प्लेटफॉर्म पर से जालसाजों को हटाने के लिए विस्तृत कदम उठाए हैं। टीम ने अग्रणी एनालिटिकल मॉडलों, जटिल डेटा साईंस फ्रेमवर्क्स, और आधुनिक कंप्यूटेशनल लॉजिक का विकास किया है। इससे इस प्लेटफॉर्म पर 13 लाख बॉट ऑर्डर रोकने और 77 लाख से ज्यादा स्कैम की कोशिशों को ब्लॉक करने में मदद मिली है।

इंडसइंड बैंक लिमिटेड (आईबीएल) और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) ने भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई/पटना। इंडसइंड बैंक लिमिटेड (आईबीएल) और आईबीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) ने भारत संजीवनी कृषि उत्थान पहल शुरू करने के लिए भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ सहयोग की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम, 10,000 फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशंस (एफपीओ) का गठन और संवर्धन का समर्थन करना है। इस पहल के तहत देश भर में एफपीओ को सशक्त बनाने के लिए एक मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान किया जाता है। एफपीओ किसानों को अपनी सौदेबाजी की शक्ति बढ़ाने, मौजूदा अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने, उत्पादन की लागत को कम करने और अपने कृषि उपज के एकत्रीकरण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में सक्षम बनाता है, इस प्रकार यह स्थायी आय की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह केंद्रीय क्षेत्र की योजना कृषि उत्पादकता और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, खासकर हाशिए के किसानों के लिए। बीएफआईएल और आईबीएल की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के माध्यम से संचालित इस सहयोग का उद्देश्य 11 राज्यों में कृषि उत्पादकता को बढ़ाना, टिकाऊ खेती के तरीकों को बढ़ावा देना।

केसीएन क्लब की साहित्यिक उपशाखा निर्झरिणी के कोंकड़ मण्डल अध्यक्ष बसन्त चौहान को पुत्र शोक

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के निवासी तथा मूल निवासी जिला आजमगढ़, उत्तर प्रदेश, टाटा स्टील कंपनी के पूर्व कर्मचारी व राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब की साहित्यिक उपशाखा निर्झरिणी के कोंकड़ मण्डल अध्यक्ष बसन्त चौहान के बड़े पुत्र सरोज चौहान उम्र लगभग 44 वर्ष का निधन 17 नवम्बर रात्रि 3 बजे बोईसर स्थित शगुन हॉस्पिटल में हो गया। स्व.सरोज चौहान 3 भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके दो पुत्र हैं। सरोज चौहान के आकस्मिक निधन की खबर सुनते ही उनके शुभचिंतकों में शोक लहर दौड़ गई । जिसके पश्चात केसीएन क्लब द्वारा शोकसभा आयोजित कर उनकी चीर आत्मा को शांति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस दौरान शोक व्यक्त करने वालो में अमर सिंह, इकरार सिद्दीकी, कुमार कलहंस, स्वामीनाथ पाण्डेय, सुनील विश्वकर्मा, अरविंद सिंह क्षत्रिय, रामनरेश यादव, बच्चन शुक्ला सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

इंटरेक्ट क्लब चिन्मया विद्यालय व चिन्मया मिशन द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। इंटरेक्ट क्लब चिन्मया विद्यालय व चिन्मया मिशन की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित शिक्षा के क्षेत्र में सुप्रसिद्ध चिन्मया विद्यालय में रविवार 17 नवंबर 2024 को विद्यालय के छात्रों एवं अभिवावकों हेतु निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ पालघर सिविल हॉस्पिटल के सिविल सर्जन डॉ.रामदास मरद के शुभ हाथों किया गया। इस शिविर में शामिल सभी मान्यवरों, चिकित्सकों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर चिन्मया ट्रस्ट के चेयरमैन टी.बी.ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में एक्सरे, ईसीजी, थायराइड , ब्लड शुगर, लंग फंक्शन, बोन इत्यादि की जांच की गई। शिविर में आंख, नाक कान गला, गायनिक, चर्म रोग, बालरोग, जनरल फिजिशियन, जनरल सर्जन, अस्थिरोग, डेंटिस्ट तथा अन्य कई रोगों के विशेषज्ञों द्वारा छात्रों एवं अभिवावकों की स्वास्थ्य जांच के उपरांत उन्हें उचित परामर्श भी दिया गया। चिकित्सकों के पैनल में शामिल डॉ.पराग कुलकर्णी, डॉ. डी. नायक, डॉ.सचिन, डॉ. आकाश कोठावदे, डॉ. लक्ष्मी नायर, डॉ. शरद सातवी, डॉ. प्रशांत कोटि, डॉ. शिवशंकर, डॉ. शोभा संखे, डॉ. रत्नाकर माने जो कि विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ है उनके द्वारा बड़ी संख्या में आए हुए लोगों का स्वास्थ्य जांच के उपरांत इलाज किया गया। इस शिविर को कुशलता पूर्वक संपन्न कराने में प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन डॉ.पराग कुलकर्णी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का सूत्र संचालन विद्यालय के शिक्षाविद प्राचार्य डॉ.अनिल कुमार द्वारा किया गया। इस शिविर में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर की ओर से 2025 - 26 के लिए निर्वाचित प्रेसिडेंट रोटेरियन रामनारायण गोयल, वर्तमान क्लब सेक्रेटरी रोटेरियन प्रशांत एम. कदम तथा पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. चंद्रकांत कोठावदे ने हिस्सा लिया। शिविर के समापन पर प्राचार्य डॉ.अनिल कुमार ने अतिथियों, अविभावकों एवं कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार प्रकट किया तथा भविष्य में भी ऐसे जनोपयोगी कार्यक्रम आयोजित कराते रहने की बात कही। इस शिविर दौरान आगंतुकों एवं अतिथियों के लिए उत्तम स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था भी की गई थी। कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने में इंटरेक्ट क्लब चिन्मया विद्यालय के छात्रों छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उपनियंत्रक नागरी संरक्षण तारापुर जिला पालघर के माध्यम से 236 स्वयंसेवक करेंगे चुनाव ड्यूटी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के उपनियंत्रक नागरी संरक्षण तारापुर जिला पालघर कार्यालय के माध्यम से 236 स्वयंसेवक महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव ड्यूटी करेंगे। बतादें कि पालघर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 को सकुशल संपन्न कराने हेतु उपनियंत्रक नागरी संरक्षण तारापुर जिला पालघर कार्यालय से प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की मांग की थी। पालघर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के उक्त मांग पर अमल करते हुए उपनियंत्रक नागरी संरक्षण तारापुर जिला पालघर ने एक सार्वजनिक सूचना के जरिए प्रशिक्षित स्वयंसेवकों से चुनाव ड्यूटी में शामिल होने की अपील की थी। उपनियंत्रक नागरी संरक्षण तारापुर जिला पालघर के द्वारा की गई इस अपील पर 236 स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से चुनाव ड्यूटी में शामिल होने के लिए अपना नामांकन दाखिल कराया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए पालघर जिले के उपनियंत्रक के.आर. कुरकुटे ने बताया कि उपनियंत्रक नागरी संरक्षण तारापुर जिला पालघर के माध्यम से 236 स्वयंसेवक चुनाव ड्यूटी हेतु आवेदन किया है तथा पोलिस आयुक्त मीरा भायंदर वसई विरार के लिए 61 स्वयंसेवकों ने नामांकन दाखिल किया है। उप नियंत्रक के.आर. कुरकुटे ने बताया कि पूरे महाराष्ट्र में पालघर जिला पहला जिला है जहां से सबसे ज्यादा स्वयंसेवक महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ड्यूटी में शामिल होंगे।

CIVIL DEFENCE CORP
MAHARASHTRA

भाजपा नेता मनोज बारोट ने विधायक हितेंद्र ठाकुर की पार्टी बविआ पर साधा निशाना

नालासोपारा। वसई विरार शहर जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने कहा कि बहुजन विकास आघाड़ी मतदाताओं को सिर्फ कोरे आश्वासन देकर वसई तालुका में करीब 35 वर्ष सत्ता में है। इतने वर्षों में बहुजन विकास आघाडी ने केवळ ह्यमुंगेरीलाल के हसीन सपने दिखाए हैं। अब ये जनता समझ चुकी है। इसलिए हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में वसई तालुका के मतदाताओ ने उन्हें नकार दिया और तीसरे नंबर पर पहुंचा दिया। यह 35 वर्षों की सत्ता से नाराज मतदाताओं के सत्ता पलटने के संकेत हैं। इसके लिए इस चुनाव में विधायकों घमंड का गुब्बारा लोकसभा चुनाव की तरह फूटने वाला है।

अब तक इनके दरबार में सभी राजनीतिक पार्टियों के वरिष्ठ नेता हाजिरी लगाते थे।लेकिन अब इनके नेताओं के ही दर्शन दुलभ हैं। वे मौलाना के पास मुस्लिम समाज के नेताओं से वोट की मांग रहे हैं। यह लाचारी उनके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई देती है। मौलाना सज्जाद नोमानी ने पत्रकार परिषद के माध्यम से बोईसर, नालासोपारा एवं वसई के मुस्लिम मतदाताओं से बहुजन विकास आघाडी को मतदान करने का आवाहन किया। इस पर मनोज बारोट कड़ी टिप्पणी की है। साथ ही मौलाना के इस आवाहन पर भाजपा के वसई-विरार जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने प्रश्नचिन्ह उपस्थित किया है। उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं को सावधान करते हुए कहा है कि महायुती इन तीन सीटों को जीत रही है।लेकिन बहुजन विकास आघाडी का 35 वर्षां इतिहास देखेंगे, तो वे विजयी होने के भ्रम में हैं। वे महायुती या महा विकास आघाडी का बिन शर्ट समर्थन देने वाले नहीं हैं। बारोट ने कहा कि क्या ह्यलव जिहादै यह फालतू विषय है, कहने की हिम्मत विधायक हितेंद्र ठाकूर में है। उन्होंने कहा कि मतदान करने से पहले हिंदू समाज अवश्य विचार करे। उन्हें उनकी जगह दिखाए।ऐसा मनोज बारोट ने विचार व्यक्त किए हैं।

महायुति के भिवंडी पूर्व व भिवंडी पश्चिम के प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिये स्नेह सम्मेलन व सभा का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महायुति के भिवंडी पश्चिम भाजपा प्रत्याशी महेश चौगुले व भिवंडी पूर्व से शिवसेना प्रत्याशी संतोष शेट्टी की प्रचार सभा भिवंडी के अंजूरफाटा स्थित ओसवाल कालेज स्थित शांति चंदन आडोटोरियम हाल व ब्राह्मण आली के स्वामी नारायण मंदिर हाल में गुजराती , मारवाडी स्नेह सम्मेलन सभा संपन्न की गयी जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित थे । बतादें कि चुनाव प्रचार के आखिरी दिन गुजराती, मारवाडी, ओसवाल, जैन, आहिर , सतवारा , पाटीदार , ब्राह्मण , सभी समाज प्रमुखों व समाज के भारी संख्या में लोग उपस्थित थे । प्रमुख अतिथियों में श्रीमती पूनम माडम सांसद जामनगर , वासन भाई आहिर पूर्व मंत्री गुजरात सरकार , राज्यसभा सांसद व प्रवासी चुनाव प्रभारी कविता पाटीदार , शैलेश भाई पटेल, पूर्व जिला महामंत्री, पूर्व केंद्रीय पंचायती राज मंत्री कपिल पाटिल, महेश चौघुले, निलेश चौधरी, हनुमान चौधरी, सुमित पाटिल, अशोक सांवला, जयेंद्र सावला, विनोद मालदे, मोहनलाल खेतिया, हसमुख कँझारिया, हितेश मारु, महायुति के भिवंडी पूर्व व पश्चिम के दोनों उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील किये।

सभी समाज प्रमुखों से महायुति के दोनों प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने का निवेदन किया ।

ब्रेन डेड व्यक्ति के अंग दान से मुंबई में दो लोगों को मिला जीवनदान

नवी मुंबई। 65 वर्ष के, पनवेल में रहने वाले श्री नायर घर पर बेहोश होकर गिर गए, उन्हें पास ही के स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया। मेडिकल जांच में पता चला कि मरीज को हेमोरेजिक स्ट्रोक, ब्रेन ब्लीड या रक्तस्रावी स्ट्रोक हुआ था। स्थानीय अस्पताल की मेडिकल टीम ने परिवार को बताया कि मरीज की तबियत में सुधार लाने के लिए कुछ भी करना उनके लिए मुमकिन नहीं था। परिवार के लिए यह बहुत बड़ा झटका था, वे इस स्थिति को स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। उन्होंने मरीज को अपोलो हॉस्पिटल नवी मुंबई (एएचएनएम) में ले जाने का फैसला किया, जहां उन्नत देखभाल सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अपोलो हॉस्पिटल नवी मुंबई में मेडिकल जांच से पता चला कि मरीज की हालत बहुत गंभीर थी और उनके ब्रेन में काफी चोट लगी थी। मरीज की हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था, इसलिए अपोलो हॉस्पिटल की मेडिकल टीम ने परिवार को उपलब्ध विकल्पों के बारे में बताया कि वे मरीज को सहायक देखभाल प्रदान करने के लिए दूसरे अस्पताल में ले जा सकते थे। उन्हें अंग दान के बारे में भी बताया गया।

श्री नायर के बेटे ने कहा, हम अपने पिता की स्थिति को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे, हम चाहते थे कि उन्हें जीवित रखें और उन्हें हमारे साथ रखने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार थे। सच कहूं तो अगर वह हमारे साथ कोमाटोज अवस्था में भी रहते तो भी हमें कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन यह हम पर भावनात्मक रूप से भारी पड़ने लगा और हम अपने पिता के अंगों को दान करने की संभावना पर सोचने लगे और हमने सोचा कि हम लोगों की जान बचाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे पिता दूसरों के जरिए जीवित रह सकते हैं और इस निर्णय से हमारे परिवार को बहुत राहत मिली। हमारे सभी परिवार सदस्यों ने अंग दान के हमारे निर्णय का समर्थन किया और हमने अपोलो टीम को अपनी सहमति दी। आज मैं सोचता हूं कि जिस तरह लोग अपनी वसीयत बनाते हैं या अपने अंतिम संस्कार की तैयारी करते हैं, उसी तरह हर किसी को भी अपनी मृत्यु से पहले अंगदान के लिए पंजीकरण कराने पर विचार करना चाहिए। अंगदान समय की मांग है। साल 2022 का अनुमान है कि, 1.5-2 लाख लोगों को हर साल किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता होगी, लेकिन केवल लगभग 10,000 लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट मिला है। इसके अलावा, 2022 में 3,000 से कम लिवर ट्रांसप्लांट और केवल 250 हार्ट ट्रांसप्लांट किए गए, जबकि 80,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट और 10,000 लोगों को हार्ट ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है। किडनी, लिवर और हार्ट जैसे अंगों की आखरी चरण की बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए महत्वपूर्ण है कि अंगदान के बारे में जागरूकता पैदा की जाएं और लोगों को अंगदाता बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाएं। जेडटीसीसी मुंबई के जनरल सेक्रेटरी डॉ. भरत शाह ने कहा,अंगदान एकमात्र तरीका होता है जिससे अंतिम चरण की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। साथ ही दाता और उसके परिवार के लिए, यह एक सांत्वना है कि भले ही उनके प्रियजन की मृत्यु हो गई हो।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मुठभेड़ में कट्टा के साथ गौ तस्कर नीरज गौड़ गिरफ्तार, गोली लगने से हुआ घायल

मुंगराबादशाहपुर पुलिस को मिली सफलता, एक तमंचा, दो खोखा कारतूस व बाइक बरामद

मुगराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना मुंगराबादशाहपुर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गैंगेस्टर, गौ-तस्कर व शातिर अपराधी नीरज गौड़ घायल हो गया जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस 315 बोर, एक खोखा कारतूस 09 टट व एक मोटरसाइकिल पल्सर बरामद हुआ।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के हेतु चलाये जा रहे। सघन अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण),शैलेन्द्र कुमार सिंह के कुशल पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के निर्देशन में आज दिनांक-18.11.2024 को थाना मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग सन्दिग्ध वाहन व व्यक्ति, तलाश वांछित/वारन्टी, पेन्डिग विवेचना, गैगेस्टर अपराधी व एहकामात तथा अन्य कार्य सरकार के हेतु नीभापुर में मौजूद थी कि मुखबिर द्वारा बताया कि एक नीला पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश जो पशु तस्कर है।जो लमहन (महराजगंज) गांव में जानवर खरीदने के लिए गये थे जो मुंगराबादशाहपुर होते हुए इधर आ रहे है। मड़ियाहूं होते हुए जलालपुर जाएंगे। उनके पास असलहा भी है। इस सूचना पर विश्वास करके पुलिस टीम वही खड़े होकर आने जाने वाले वाहनों पर नजर रखने लगे कि कुछ देर में एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखायी दी। मोटरसाइकिल करीब आने पर पुलिस बल द्वारा सड़क पर सामने आकर रोकने का प्रयास किया गया तो उक्त बदमाश मोटरसाइकिल की स्पीड बढ़ाकर भागने लगे। पीछा करने के दौरान पीछे बैठे बदमाश ने पुलिस वालो के ऊपर लक्ष्य करके फायर कर दिया। बदमाशों को बार बार पुलिस द्वारा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया फिर भी उपरोक्त बदमाश नहीं माने और जान से मारने की नियत से पुलिस वालों की तरफ फायर कर दिये।

थानाध्यक्ष द्वारा आत्मरक्षार्थ एक राउंड फायर किया गया गया। गोली एक बदमाश को लग गयी और वह कराहने लगा। दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। घायल बदमाश को देखा गया तो उसके दाहिने पैर मे गोली लगी थी और खून बह रहा था। पकड़े हुए बदमाश का नाम पूछा गया तो नीरज गौड़ पुत्र लालजी गौड़ निवासी ग्राम कोर्री थाना जलालपुर जौनपुर उम्र 30 वर्ष बताया। अपराधी को अपराध का बोध कराते हुए समय करीब 03.45 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है। तथा मौके से भागे हुए अभियुक्त संदीप पटेल पुत्र जयप्रकाश पटेल निवासी ग्राम सुगुलपुर थाना मड़ियाहूं जनपद जौनपुर की तलाश की जा रही हैं। उक्त अभियुक्त द्वारा थाना जलालपुर, खेतासराय, नेवढ़िया में पुश तस्करी,एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट जैसी घटनाओं में सलिप्त रहा है।

बरामदगी 1. एक तमंचा 315 बोर,दो खोखा कारतूस 315 बोर,एक खोखा कारतूस 09 एमएम व एक मोटरसाइकिल पल्सर ।गिरफ्तार अभियुक्त 1- नीरज गौड़ पुत्र लालजी गौड़ निवासी ग्राम कोर्री थाना जलालपुर जौनपुर उम्र 30 वर्ष ।आपराधिक इतिहासः1. मु0अ0सं0 141/2022 धारा 5/8 उ0प्र0 गोवध निवारण अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर । 2. मु0अ0सं0 168/2022 धारा 3(1) यू0पी0 गैंगेस्टर एक्ट थाना खेतासराय जनपद जौनपुर । 3. मु0अ0सं0 203/2022 धारा 2/25 आर्म्स एक्ट थाना जलालपुर जनपद जौनपुर ।4. मु0अ0सं0 105/2018 धारा 411/420 भादवि थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर ।5. मु0अ0सं0 273/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना जलालपुर जौनपुर । 6. मु0अ0सं0 153/2021 धारा 3/5ए/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम व 11 पशुओ के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर ,7. मु0अ0सं0 386/2024 धारा 109(1),3(5) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर।

एवरेस्ट बेस कैंप पर लहराया तिरंगा, बढ़ाया जिले का मान

◆ कठिनाईयों के सामने साहस का परिचय बना परिणाम

सुईथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद शाहगंज तहसील के शेखपुर निवासी पूर्व प्रधान सियाराम चौरसिया के बड़े पुत्र 33 वर्षीय रवि नाग ने नेपाल स्थित एवरेस्ट बेस कैंप पर तिरंगा फहराया। 28 अक्टूबर को रवि नाग और प्रदेश के ही बागपत निवासी 32 वर्षीय कपिल पंवार ने काठमांडू से एवरेस्ट बेस कैंप की यात्रा प्रारंभ की। गाड़ी से डेढ़ दिन की यात्रा के बाद दोनों पैदल गांव पहुंचे जहां से पैदल ट्रैक की शुरुआत होती है। दोनों ने इस 100 किमी ट्रैक को केवल 7 दिन में पूरा किया। जबकि सामान्यतः लोग इस ट्रैक को करने में 12 से 15 दिन लगाते है। रवि के अनुसार हम रोज 15 से 20 किमी पैदल चलते थे।चूंकि ये ट्रैक सबसे कठिन यात्राओं में से एक माना जाता है और एक तरह से इसको यात्राओं का चारधाम माना जाता है। एवरेस्ट बेस कैंप की ऊंचाई 5364 मीटर है साथ यहीं पर स्थित काला पत्थर की ऊंचाई 5500 मीटर है जहां से एवरेस्ट पर्वत स्पष्ट दिखाई देता है। हाल फिलहाल में भारतीयों में इस यात्रा को लेकर ज्यादा उत्साह देखने को नहीं मिलता। इसका एक कारण इस यात्रा की जटिलता और थकावट भी हो सकता है। नेपाल के रास्ते अभी भी तक उतने अच्छे नहीं है जिससे ज्यादातर पर्यटक यहां जाने से भी बचते है।विदेशी पर्यटकों की संख्या यहां हजारों में हैं। इनमें ज्यादातर काठमांडू से लुक्ला की फ्लाइट से आते है क्योंकि इसके बीच जमीनी रास्ता बहुत खराब और आवागमन के साधन भी कम है।

दोनों ने इस यात्रा को पंकज मेहता की कंपनी TAP LIFE के माध्यम से की। वकील रवि हमारी इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं को यात्राओं के प्रति जागरूक और उत्साहित करना है।यात्राओं से काफी कुछ सीखने को मिलता है,साथ ही व्यक्तित्व का विकास भी होता है नए नए भाषाओं और संस्कृतियों का मिलाप भी होता है। रवि और कपिल के अनुसार नेपाल की इस ऊंचाई पर देश के तिरंगे को फहराना उनके लिए गर्व की बात है।

शिखर फाउंडेशन के बेबी टैलेंट शो में बच्चों ने बिखेरा जलवा

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर में शिखर फाउंडेशन द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भव्य बेबी टैलेंट शो का आयोजन पुराना चौक बुढ़वा बाबा पर किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों बच्चों ने प्रतिभाग करके कार्यक्रम को अति सुंदर और भव्य बना दिया ग्रुप डांस के बच्चों ने कार्यक्रमों की अद्भुत शुरुआत करके उपस्थित दर्शकों को अपनी प्रतिभा से हैरान कर दिया। वहीं विकास यादव ने राधा का रूप धारण करके अपने आकर्षक साज सज्जा से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई,इसमें कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर सदफ शेख ने फीता काटकर कार्यक्रम प्रारंभ कराया। उसके बाद तो जैसे एक से बढ़कर एक सुंदर कार्यक्रमों की झड़ी लग गई।वहां पर उपस्थित बहुत ही छोटे-छोटे बच्चों के कार्यक्रमों ने लोगों को भाव विभोर कर दिया कार्यक्रम दोपहर से लेकर देर शाम तक चलता रहा। और समस्त दर्शक नन्हे मुन्ने बच्चों का कार्यक्रम देखकर उनके उत्साह वर्धन के लिए तालियों की बौछार करते रहे। कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिनेश कांत यादव उपस्थित रहे, उन्होंने पुरस्कार वितरण करके बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की स्वस्थ प्रतियोगिता से ही बच्चों में निखार आता है तथा बच्चे आगे कंपटीशन के लिए उत्साहित होते हैं। कार्यक्रम में जूनियर वर्ग में तनिष्क जायसवाल प्रथम पुरस्कार, श्रेया केसरवानी द्वितीय पुरस्कार, आन्या अग्रहरि तृतीय पुरस्कार, तथा सीनियर वर्ग में निधि यादव प्रथम पुरस्कार, अंशिका अग्रहरि द्वितीय पुरस्कार, श्रेयांशी मोदनवाल तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अलावा प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार मेडल, पेन, सर्टिफिकेट आदि वितरित किया गया। कार्यक्रम निर्णायक की भूमिका में नेहा अग्रहरि, डिंपल अग्रहरि, रहीं। कार्यक्रम में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मनोज अग्रहरि विशिष्ट अतिथि डॉक्टर देवी प्रसाद पुष्पजीवी, विशिष्ट, विशिष्ट अतिथि विनोद प्रजापति, मंथन, कृष्णा सोनी, दीनदयाल मोदनवाल, बुढ़वा बाबा मंदिर के महंत राजेश चौबे आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष और कार्यक्रम आयोजक शैलेश नाग ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा निरंतर सहयोग की कामना किया।

सखी सुरक्षा सेनेटरी पैड उत्पादन केंद्र का शुभारंभ

महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वच्छता की ओर बड़ा कदम

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ग्राम पंचायत जैगहां स्थित पंचायत भवन में सोमवार को सखी सुरक्षा सेनेटरी पैड उत्पादन केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। यह केंद्र मान्या प्रेरणा और युवराज प्रेरणा ग्राम संगठन की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के सामूहिक प्रयास से स्थापित हुआ है। कार्यक्रम का उद्घाटन संजय श्रीवास्तव, एडीओ आईएसबी ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, यह केंद्र ग्रामीण महिलाओं के लिए न केवल रोजगार का साधन बनेगा। बल्कि उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। इस केंद्र से उत्पादित सस्ते और गुणवत्तापूर्ण सेनेटरी पैड पूरे शाहगंज ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि पूरे जनपद में उपलब्ध कराए जाएंगे ।

जिससे महिलाओं की स्वच्छता से जुड़ी जरूरतें आसानी से पूरी हो सकेंगी। उन्होंने परियोजना के आर्थिक पहलुओं पर जोर देते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं के लिए स्थायी आय का स्रोत बनेगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सचिव राकेश सिंह ने कहा,यह केंद्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ समाज में उनकी सशक्त भूमिका को रेखांकित करेगा। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि यह केंद्र सस्ती कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाले सेनेटरी पैड का उत्पादन करेगा। जिससे न केवल ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छता का लाभ मिलेगा, बल्कि माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम में बड़ौदा यूपी बैंक जैगहां के शाखा प्रबंधक विवेक,प्रधान सीता देवी, ब्लॉक मिशन प्रबंधक प्रियंकेश प्रजापति, ग्राम विकास अधिकारी सुजीत यादव, बुक कीपर ज्योति ज्वाला,तकनीकी सहायक शशिकांतमान्या प्रेरणा ग्राम संगठन की अध्यक्ष प्रिया देवी, सचिव कुसुम, कोषाध्यक्ष सुजाता, युवराज प्रेरणा ग्राम संगठन की अध्यक्ष पूजा शर्मा, सचिव बिंदु कुमारी, कोषाध्यक्ष रेखा देवी, समूह सखी बिंदु, बैंक सखी मंजू देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासियों और अतिथियों ने भाग लिया। इस पहल ने न केवल जैगहां में उत्साह का माहौल बनाया, बल्कि यह शाहगंज ब्लॉक और जौनपुर जनपद के अन्य स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बनेगा।

जाम के जाल में शाहगंज के प्रमुख चौराहे

◆ होमगार्ड की सक्रियता से ही सुचारू है ट्रैफिक व्यवस्था

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर लंबे वर्षों से ट्रैफिक जाम का शिकार रहा है। प्रमुख मार्ग हो या फिर लिंक मार्ग सभी पर साइकिल एवं पैदल चलना मुसीबत का ही एहसास होता है। जेसीस चौराहे से लेकर मेंन रोड कोतवाली चौराहा एराकियाना चौराहा तक भीषण जाम से यह जाहिर होता है। कि उत्तर प्रदेश शासन की ट्रैफिक पुलिस व्यवस्था फेल है। आखिर कमर्शियल बड़ी माल वाहक ट्रके शाहगंज नगर में दिन में कैसे प्रवेश कर जाती हैं। जबकि ओवरलोड वाहन शासन व्यवस्था के लोगों को क्यों दिखलाई नहीं पड़ती ।पल्थी रोड स्थित दाल मिल एवं अन्य मीलों में रात में चलने वाले ओवरलोड वाहन कोतवाली चौराहा घास मंडी होते हुए शाहपंजा मार्ग पर नगर पालिका द्वारा निर्मित सड़क पर प्रवेश कर जाती है। जिससे आए दिन सड़के ध्वस्त हो जा रही हैं। परंतु धड़ल्ले से माल लादकर दाल मिल एवं अन्य कारखाना में पहुंच रही है बड़ी ट्रकें। विगत दिन शाहगंज कोतवाली प्रभारी को व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मंडल सदस्य भुवनेश्वर मोदनवाल सहित तमाम वरिष्ठ कार्यकर्ता ने कोतवाली पहुंचकर कोतवाली प्रभारी दीपेंद्र सिंह को जाम से निजात दिलाने के लिए ज्ञापन सौंपा था । परंतु जेसीस चौराहे पर तत्काल पुलिस विभाग सक्रिय हुई परन्तु अन्य प्रमुख तिराहे चौराहे जस के तस है।

मंजय कनौजिया बने मजदूर सभा के महासचिव

बख्तियार आलम, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल व मजदूर सभा के प्रदेश अध्यक्ष धनी लाल श्रमिक की संस्तुति से मंजय कनौजिया को समाजवादी मजदूर सभा का जिला महासचिव जौनपुर मनोनित किया गया है। नवनियुक्त महासचिव मंजय कनौजिया ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दिया है उसके प्रति निष्ठा भाव से कार्य करूंगा। पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाते हुए संगठन की मजबूती के लिए सदैव तत्पर रहूंगा।

कृष्ण सुदामा के मैत्री प्रेम की कथा सुन छलक पड़ी आंखें: अजय जी महराज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन उसरौली गांव के भैयाराम पुरवा में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए।काशी से पधारें आचार्य अजय महाराज ने कहा कि जीवन में सच्चा मित्र आइने की तरह होता हे। हमेशा अपने साथी को कुमार्ग से दूर सद्मार्ग की तरफ ले जाता है। तीनों लोकों के स्वामी स्वयं भगवान ने सखा सुदामा का पांव पखार इसे साबित कर दिखाया है। महराज के मुखारविंद से कथा सुन श्रोताओं की आंखें नम हो गई। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और गोपियों की रासलीला के आध्यात्मिक तत्व का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान से सम्बन्ध स्थापित कर लेना ही मनुष्य का परम लक्ष्य और उद्देश्य होना चाहिए।श्रीकृष्ण रास लीला का मूल तत्व प्रेमाभक्ति के द्वारा भगवान में लीन होना बताया।इस मौके पर राजमणि शुक्ला, इंद्रभान शुक्ला, बीरेंद्र मिश्रा, शिव शंकर मिश्रा, गुड्डू मिश्रा पंकज मिश्रा, दिनेश मिश्रा, विजय प्रताप, सत्यम मंचला, श्री कृष्णा पांडे, सुनील चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

रोहनिया में बस से कुचलकर बाइक सवार की हुई दर्दनाक मौत

◆ वैवाहिक कार्यक्रम से घर लौटते समय हुआ हादसा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया थाना क्षेत्र के मोहन सराय पुलिस चौकी अंतर्गत शाहावाबाद जीटी रोड पर रविवार रात लगभग 10:30 बजे भीषण सड़क दुर्घटना में 37 वर्षीय राकेश गुप्ता की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मारी, जिससे वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए।

मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के हरपुर गांव के निवासी राकेश गुप्ता अपनी भतीजी और चाचा के साथ मंडुआडीह क्षेत्र में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। शाहावाबाद पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस टक्कर से राकेश सड़क के दाहिनी ओर जा गिरे, जहां पीछे से आ रही बस ने उन्हें कुचल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही रोहनिया थाना प्रभारी विवेक कुमार शुक्ला और मोहन सराय चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। तीनों घायलों को तत्काल पंडितपुर स्थित सरकारी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने राकेश गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। मृतक राकेश गुप्ता अपने दो भाइयों में बड़े थे और उनकी तीन बेटियां हैं। घटना के बाद पत्नी प्रीति गुप्ता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना में शामिल वाहन चालकों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

बेनीराम की दुकान से महिला का स्मार्टफोन गायब, दुकानदार ने कहा– लाइव चलता है मेरा सीसीटीवी

रियाजुक हक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के सरायपोख्ता पुलिस चौकी अंतर्गत शाही पुल के बगल में स्थित बेनीराम इमरती वाले की दुकान से सोमवार की दोपहर एक स्मार्टफोन गायब हो गया। दुकान पर मिठाई लेने पहुंची त्रिलोचन महादेव जलालपुर की निवासी मनीषा सिंह पत्नी विक्रांत सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वह सोमवार को दोपहर में लगभग एक से डेढ़ बजे के करीब उक्त दुकान पर मिठाई लेने गई थी। इसी दौरान उनका ओप्पो एफ 17 प्रो स्मार्टफोन दुकान से गायब हो गया। जब उन्हें पता चला कि उनका मोबाइल फोन दुकान पर छूट गया है तो वह वापस दुकान पर आयीं और दुकानदार से अनुनय विनय करने लगी कि भैया सीसीटीवी में देख लीजिए तो मेरा फोन मिल सकता है ।लेकिन दुकान से सख्त लफ्जों का प्रयोग करते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया ।बल्कि टालमटोल उत्तर देते हुए कहा कि हमारे यहां का सीसीटीवी लाइव चलता है हम पुराना नहीं देख सकते। फिलहाल महिला ने अपने पति को जानकारी देते हुए थाने में सूचना देने में जुटी हुई हैं। हालांकि इस संबंध में दुकानदार से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनका सम्पर्क नहीं हो सका।

साढ़े चार महीने में वाराणसी में 11 बार पुलिस मुठभेड़, वरुणा जोन अव्वल; गोमती फिसड्डी

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में बीते लगभग साढ़े चार महीने में पुलिस और बदमाशों के बीच 11 बार फायरिंग हुई। इसमें कमिश्नरेट की वरुणा जोन की पुलिस ने सर्वाधिक आठ बार मुठभेड़ में बदमाशों को गिरफ्तार किया। वहीं, काशी जोन में दो बार और गोमती जोन में महज एक बार पुलिस से बदमाशों का आमना-सामना हुआ। इस तरह से कमिश्नरेट के वरुणा जोन की पुलिस मुठभेड़ के मामले में अब तक अव्वल रही है। कमिश्नरेट क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ का सिलसिला लगभग 19 महीने बाद एक जुलाई 2024 से शुरू हुआ। डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीणा और एडीसीपी वरुणा जोन सरवणन टी. के नेतृत्व में गत एक जुलाई को लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश पकड़े गए। दोनों से मिली जानकारी के आधार पर उनके दो दोस्त अपने घर से पकड़े गए। लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र में ही 27 जुलाई को पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश पकड़े गए। इसके बाद 31 जुलाई को डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल के नेतृत्व में चितईपुर थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पकड़ा गया। पांच अगस्त को वरुणा जोन के कैंट थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पकड़ा गया। छह अगस्त को शिवपुर थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश पकड़े गए। 17 अगस्त को लंका थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश पकड़े गए। शिवपुर थाना क्षेत्र में ही 18 सितंबर की देर रात एक बदमाश पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया। डीसीपी गोमती जोन प्रमोद कुमार के नेतृत्व में 27 सितंबर को राजातालाब थाना क्षेत्र में एक बदमाश पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया।

वरुणा जोन के चौबेपुर थाना क्षेत्र में दो अक्तूबर को पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पकड़ा गया। 14 नवंबर को चौबेपुर थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पकड़ा गया। इसके बाद शनिवार की आधी रात बाद लोहता थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पकड़ा गया। उसकी मदद से पुलिस ने उसके चार दोस्तों को भी गिरफ्तार किया।

जिलाधिकारी ने सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र का भ्रमण, औचक निरीक्षण किया गया तथा उद्यमियों के साथ उनकी समस्याओं के दृष्टिगत बैठक की गयी। जिलाधिकारी द्वारा सतहरिया में पार्क, प्लाट, सड़के, गेस्ट हाउस आदि का निरीक्षण और उद्यमियों के साथ बैठक की गयी। सीडा प्राधिकरण के साथ हुई बैठक में जिलाधिकारी ने सड़क, नाली, पुलिया, जलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था एवं पार्कों का विकास आदि के विकास के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की। जिलाधिकारी द्वारा उद्यमी संगठनों को अवगत कराया गया कि सीडा प्राधिकरण के अन्तर्गत शासन द्वारा अटल इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के सापेक्ष सड़क, नाली, जलापूर्ति, पथ-प्रकाश, नाला निर्माण एवं पार्कों का विकास,वाटर हेड टैंक आदि के विकास कार्य हेतु धनराशि स्वीकृत की गयी है ।शासन द्वारा धनराशि अवमुक्त करने के पश्चात सीडा में सुनियोजित तरीके से चतुर्दिक विकास कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। जिससे उद्यमियों की अवस्थापना सम्बन्धी समस्याओं का समाधान हो सकेगा। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा बीएसएनएल के इण्टरनेट कनेक्टिविटी सही करने के निर्देश दिये गये। कैम्पस में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए थानाध्यक्ष, मुंगरा बादशाहपुर को निर्देशित किया कि नियमित रूप से पेट्रोलिंग और अन्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी के द्वारा उद्योगों के विद्युत व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को सुनते हुए व्यवस्था ठीक करने के निर्देश अधिशासी अभियन्ता,विद्युत वितरण खण्ड,मछलीशहर को दिया गया। उद्यमियों के द्वारा परिसर में बैंक खोलने और एटीएम लगाए जाने का अनुरोध जिलाधिकारी से किया, जिस पर उन्होंने अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को निर्देशित किया कि योजना बनाकर उपरोक्त मांगे पूरी की जाए। इसके साथ ही एलडीएम को निर्देशित किया की मौके पर जाकर निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने परिसर में साफ-सफाई कराए जाने। कूड़ा निस्तारण के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त साफ-सफाई संस्था को नियमानुसार कटौती करते हुए भुगतान के निर्देश दिये गये। उन्होंने परिसर में कूड़ा डंपिग स्थल बनाए जाने के भी निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि निराश्रित पशुओं के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करें ।जिससे समस्या समाधान हो सकें। साथ ही उद्यमियों से अपेक्षा की गयी कि मुख्य चौराहे को सी0एस0आर0 के माध्यम से सौन्दर्यीकरण करें। सीडा कार्मिकों के आवास का निर्माण रूका हुआ पाया गया। जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को तत्काल कार्य शुरू करते हुए समय से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही सड़क संख्या-11 पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कार्य शुरू करने के निर्देश दिये गये ।जिलाधिकारी द्वारा सतहरिया औद्योगिक विकास क्षेत्र में प्लाटों का सर्वे कर नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया गया ।इसके अतिरिक्त सीडा प्रांगण स्थित फिल्ड हास्टल,गेस्ट हाउस एवं पार्कों के विकास हेतु शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये ।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष-मुंगरा बादशाहपुर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, सुश्री इशिता किशोर, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित औद्योगिक संगठन एवं प्रमुख उद्यमीगण उपस्थित रहे।

सरायमीर में भूमि विवाद को लेकर पड़ोसियों ने पेट्रोल छिड़ककर युवक को लगा दी आग, हालत गंभीर

जीशान अहमद खान, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सरायमीर थाना क्षेत्र के परहा मऊ रंगडीह गांव में भूमि विवाद को लेकर बीती रात पड़ोसियों ने एक युवक पर पेट्रोल डाल आग लगा दी। इस घटना में युवक गंभीर रूप से झुलस गया। इलाज के लिए उसे मंडलीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त हो गया0 ।मौके की स्थिति को देखते हुए भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। सरायमीर थाना क्षेत्र के परहा मऊ रंगडीह गांव निवासी 30 वर्षीय गुलशन का उसके गांव के कुछ लोगों से भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। गुलशन पड़ोस के गांव दूध लेने गया था। रात करीब आठ बजे वह पैदल घर लौट रहा था। इस दौरान उसके विपक्षी दो युवक आ गए। दोनों में गाली-गलौज होने लगी और हाथापाई हो गयी। इसके बाद विपक्षी युवक ने फोन कर घर से कुछ और लोगों को बुला लिया। पास में एक व्यक्ति पेट्रोल बेच रहा था। विपक्षी युवक ने पेट्रोल से भरा गैलन गुलशन के ऊपर डाल दिया। इसके बाद माचिस की तीली जला दी। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग पहुंच गए किसी तरह से आग पर काबू पाया। युवक को लेकर फूलपुर निजी डॉक्टर के पास पहुंचे। डॉक्टर ने हालत गंभीर देख रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। युवक को लेकर मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी ग्रामीण चिराग जैन मंडलीय अस्पताल पहुंच कर घटना की जानकारी लिए। घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त हो गया। मौके की स्थिति को देखते हुए भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। सरायमीर थानाध्यक्ष यादवेंद्र पांडेय ने बताया कि दो युवकों में आपस में विवाद के बाद घटना हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस व राष्ट्रवादी सफाई कामगार सेल प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

मुंबई। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस (महाराष्ट्र प्रदेश) एवं राष्ट्रवादी सफाई कामगार सेल शरद पवार (महाराष्ट्र प्रदेश)की संयुक्त कार्यकारिणी बैठक दलित मित्र एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार के आदेश पर कार्यकारिणी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी के सभी उम्मीदवारों को सर्वसम्मति से समर्थन देने का प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रताप निंदाने, कार्याध्यक्ष प्रेमजी भाई पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजू रिसाला बाट, प्रदेश सचिव रवि भींगानिया, पिंपरी चिंचवड़, शहर अध्यक्ष सुवर्णा ताई निकम सचिव अमित भारवासी और सभी पदाधिकारियों ने पुणे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) को समर्थन पत्र भी भेजा है । बता दें कि गत दिनों अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस तथा राष्ट्रीय कांग्रेस सफाई सेल (शरद पवार) गोविंद भाई परमार ने महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी को समर्थन दिया है । और पुणे शहर के उम्मीदवार की प्रचार सभा और रैली में भी शामिल होकर धुंआ धार प्रचार किया।

महाराष्ट्र की हिंदुत्ववादी जनता भाजपा महायुति सरकार के साथ : आचार्य पवन त्रिपाठी

मुंबई। केंद्र और राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं और प्रदेश के अभूतपूर्व विकास को देखते हुए, महाराष्ट्र की जनता के आशीर्वाद से एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा महायुति की सरकार बनने जा रही है। भाजपा उपाध्यक्ष तथा श्री सिद्धि विनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने पत्रकार वार्ता के दौरान उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने हमेशा हिंदुत्व और सनातन धर्म का साथ दिया है। वह हमेशा हिंदुत्व और राष्ट्र धर्म के साथ खड़ी रही। महाराष्ट्र के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस हिंदवी स्वराज की स्थापना की थी, आज महाराष्ट्र की जनता उसी रास्ते पर चलकर हिंदुत्व को मजबूत करने का काम कर रही है। महाराष्ट्र की जनता एक बार फिर खुले मन और खुले दिल से भाजपा महायुति को अपना समर्थन देने जा रही है। आचार्य त्रिपाठी ने कहा कि महा विकास आघाड़ी जनता के बीच अपना विश्वास खो चुकी है। सिर्फ झूठ के सहारे लंबी राजनीति नहीं की जा सकती। जनता अब उनके किसी बहकावे या प्रलोभन में आने वाली नहीं है। जनता विकास के साथ-साथ आत्मसम्मान और आत्म गौरव भी चाहती है। महाराष्ट्र के स्वाभिमान और गौरवपूर्ण संस्कृति की रक्षा के लिए महायुति सरकार ने संकल्पित भावना के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी पराजय का अंदाजा हो चुका है। यही कारण है कि वह लगातार जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।

गरीब का सेवा करना मेरा प्रथम मुख्य उद्देश्यः डॉ दीपक यादव

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्थित ओसवाल नगरी में ओस्तवाल डेंटल क्लिनिक के दंत चिकित्सक डॉ दीपक यादव ने बताया कि मेरे क्लिनिक में आए हुए सभी दंत रोगियों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान दिया जाता है। हमारा भरसक प्रयास रहता है कि दांतो का ईलाज कम से कम शुल्क में लोगों का सेवा किया जाए। यदि किसी व्यक्ति का दांत का प्रत्यारोपण करना है, तो हम कम से कम शुल्क में करते हैं। हमारा पूरा प्रयास रहता है कि हमारे यहां से कोई भी व्यक्ति वापस न जाए। पैसे कमाने के साथ साथ लोगों की दुआं की भी जरूरत पड़ती है। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने डॉ दीपक यादव से मुलाकात के दौरान पूछा कि डाक्टर साहब आप एक दंत चिकित्सक है। लेकिन आप ये बताईए कि लोग स्वस्थ्य कैसे रहें। आप ने बहुत ही मार्मिक प्रश्न किया है, मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि हर व्यक्ति को विशेष साफ - सफाई और घर के आसपास कहीं दुषित जल जमाव न होने दे इससे मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी घातक बीमारी के फैलने का खतरा रहता है यदि सर्दी, खांसी, बुखार होता है तो तुरंत अपने फैमिली डॉक्टर से सलाह ले और अपने निजी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच करवा ले।

कल्याण फ्लोअर मिल की बैठक संपन्न

कल्याण। कल्याण फ्लोअर मिल की बैठक संपन्न हुई। जिसमें सभी चालक मालक के सहमति से नितिन थोरे को कल्याण फ्लोअर मिल अशोसिएशन का अध्यक्ष, राकेश नरेंद्र परदेशी को सेक्रेटरी नियुक्त किया गया और सभी चालक मालक के समस्या पर विचार किया गया जैसे लाइट बील टाइम पर ना मिलना रेडिंग समय पर न लेना और लाइन बिल बढ़ने की कारण शशि के सामान बढ़ने के कारण इसाई बढ़ाने के लिए सभी चालक मालक की सहमति ली गयी। सब लोग सहमत हुए की पिसाई का भाव चाहिए। वहा लोगो ने कहा अगर पिसाई नहीं बढ़ी तो हम लोग चक्की बंद करन पड़ेगी। इसी प्रकार तमाम बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी।

डोंबिवली में कट्टर शिवसैनिक भी बीजेपी के साथ खड़े है

सदानंद थरवळ ने स्वर्गीय बालासाहेब को एक अप्रकाशित पत्र लिखा

डोंबिवली। हमारी शिवसेना मे आम शिवसैनिक की जगह धनबल (मनी पावर) को ही प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे परिस्थिति में आम शिवसैनिक का दम घुट रहा है। पिछले पांच दशकों में, डोंबिवलीकर जनता ने हमेशा वैचारिक रूप से शिवसेना-भाजपा युति का समर्थन किया है। उबाठा शिवसेना के पूर्व जिला प्रमुख सदानंद थरवळ ने दिवंगत वंदनीय बालासाहेब को लिखे एक अप्रकाशित पत्र में शिवसेना भाजपा युति के उम्मीदवार रवींद्र चव्हाण के लिए अपना समर्थन घोषित कर दिया है। ये पत्र सोशल मीडिया पर हवा की तरह फैल गया है। कुछ दिन पहले डोंबिवली विधानसभा उम्मीदवारी से हटाए जाने के बाद सदानंद थरवळ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। समझा जाता है कि थरवळ ने यह पत्र वंदनीय दिवंगत बाळासाहेब के स्मृति दिवस के मौके पर लिखा है। शिवसेना इस चार अक्षर के मंत्र से मोहित होकर मै आपका और दिघे साहेब का ठाणे जिले का एक कट्टर शिवसैनिक हूं और इस युति का हिस्सा होने के नाते, हमें भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला है। थरवळ ने पत्र में उल्लेख किया है कि मैं उन लाखों शिवसैनिकों में से एक हूं जो बारह साल पहले आपकी पवित्र स्मृति को श्रद्धांजलि देने आए थे। जब आप हमें हमेशा के लिए छोड़कर चले गए थे। वह आगे लिखते हैं कि आपको भावभीनी श्रद्धांजलि देने वाले उस दिन लगाए गए होर्डिंग्स आज भी मेरे आँखों में बसे हैं.... "सांसें टूटी थीं...जुनून नहीं..."

शानदार शादी के जानदार मेहमान

खंडेला। देव उठनी ग्यारस से शादी समारोह की धूम शुरू हो चुकी है,एक ही दिन में कई कई शादिया भी सम्पन्न हो रही है,इसी कड़ी में कल खंडेला कस्बे के रिद्धि सिद्धि मैरिज गार्डन में चि.कृष्ण बिवाल पुत्र श्रीमती तारा देवी एवम् रमेश कुमार की शादी समारोह के प्रतिभोज प्रोग्राम में कई डॉक्टर्स, वकील, कांट्रेक्टर्स, सेलिब्रिटी शख्स शिरकत की। एक बार तो ऐसा लगा मानो इस मौके पर मौजीज जनों का जमावड़ा ही लगा गया हो। इस बेला में डा. अमित बराला , डॉ. एस. एस.वर्मा, डॉ. हरफूल,डॉ यूसुफ देवड़ा, डॉ.राजेंद्र कुमावत,डॉ.पंकज कुमावत, डॉ.घनश्याम कुमावत,डॉ.विजेंद्र कुमावत,डॉ.शिवपाल कुड़ी,डॉ. सुनील ढाका, डॉ.के. के. अग्रवाल, मामा भांजा कॉमेडी किंग मुकेश सैनी, सुभाष मारोठिया सिरोही, मुरारी लाल पटौदी, सीताराम बावलियां, तेजपाल कुमावत,गिरीश कुमावत सहित कई गणमान्य जन उपस्थित हुए जिनकी मेजबानी में बाबूलाल, ओमप्रकाश, मखन लाल, शंकर लाल, गीगाराम, मंगल चंद, सत्यनारायण, महावीर, कालूराम, पोखर मल, पूर्ण मल, सांवर मल, डॉ. विजेंद्रकुमावत , इंजीनियर ललित कुमार,अशोक कुमावत, शंकर लाल कुमावत, अशोक बंटी, कैलाश,विनोद सहित पूरा बिंवाल परिवार तैयार रहा और खूब आवा बख्त की। देर रात तक डीजे के संगीत पर महिलाएं,पुरुष और बच्चे थिरकते रहे, नाच गान होता रहा और जाते वक्त हर अतिथि को मिठाई का गिफ्ट पैक भी इस खुशी के मौके पर बिंवाल परिवार के सीनियर सदस्यों द्वारा दिया गए।

लव जिहाद तुच्छ विषय, वोट देने से पहले हिंदू समाज को सोचना चाहिए : मनोज बारोट

नालासोपारा। बहुजन विकास अघाड़ी ने लगभग 35 वर्षों तक मतदाताओं को केवल खोखले वादों में उलझाकर वसई तालुक में सत्ता हासिल की है। जनता को अब यह एहसास हो गया है कि इतने वर्षों तक बहुजन विकास अघाड़ी ने हमें केवल 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' ही सत्ता में दिखाए हैं। भाजपा के वसई-विरार जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने राय व्यक्त की है कि इसी नाराजगी के कारण हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में वसई तालुका के मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया और सीधे तीसरे स्थान पर भेज दिया.

मतदाताओं की यह नाराजगी 35 साल के शासन को उखाड़ फेंकने का संकेत है. ऐसे में साफ तौर पर देखा गया है कि जिन विधायकों ने कहा था कि उन्हें पत्थर भी दे दिया जाए तो हम चुन लिए जाएंगे, उनके अहंकार का बुलबुला लोकसभा के बाद फूट चुका है.

अब तक सभी दलों के वरिष्ठ नेता उनके दरबार में हाजिरी लगा रहे थे. लेकिन यही नेता खुद बांद्रा जाकर मौलाना से मुस्लिम वोटों की भीख मांग रहे हैं. ये बेबसी उनके चेहरे पर साफ नजर आ रही है. शायद मौलाना सज्जाद नोमानी को विधायकों की बेबसी और हताशा का एहसास हुआ. मनोज बारोट ने इस बात की कड़ी आलोचना की है कि उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बोईसर, नालासोपारा और वसई के मुस्लिम मतदाताओं से बहुजन विकास अघाड़ी को वोट देने की अपील की. लेकिन बीजेपी के वसई-विरार जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने मौलाना की इस अपील पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है. दरअसल मुस्लिम मतदाताओं को सावधान कर दिया गया है. इन तीनों सीटों पर महायुति जीत रही है. लेकिन बहुजन विकास अघाड़ी के 35 साल के इतिहास को देखते हुए कौन गवाह होगा कि जीतने पर वे महायुति या महा विकास अघाड़ी को बिना शर्त समर्थन नहीं देंगे? इस मौके पर मनोज बारोट ने मुस्लिम वोटरों से ये सवाल पूछा है. इस दौरान; 'लव जिहाद' को निरर्थक विषय कहने का साहस करने वाले विधायक हितेंद्र ठाकुर को वोट देने से पहले हिंदू समाज जरूर सोचेगा। मनोज बारोट ने उम्मीद जताई है कि उन्हें उनकी जगह दिखा दी गई है.

रविंद्र चव्हाण के प्रचार के लिए डोम्बिवली के एक युवा लड़के ने भारुड़ तैयार किया

डोम्बिवली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव बस कुछ ही घंटे दूर हैं. प्रचार के आखिरी चरण में सभी प्रत्याशी जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी-महायुति के उम्मीदवार श्री रवींद्र चव्हाण भी जोरदार प्रचार कर रहे हैं। लेकिन अब देखा जा रहा है कि डोंबिवलीकर जनता ने रविंद्र चव्हाण के प्रचार की कमान संभाल ली है। डोम्बिवली का एक युवा नौजवान युवराज ताम्हणकर ने अपने संगठन 'बीइंग आर्टिस्ट' के माध्यम से एक भारुड़ (मराठी लोकगीत) बनाया है जिसमें कहा गया है कि र्डोम्बिवलीच्या जनतेला रविदादाच मान्य (डोम्बिवली की जनता को सिर्फ रविदादा स्वीकार्य)। इस भारुड़ में रवींद्र चव्हाण के विभिन्न विकास कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है। इसमें मानकोली ब्रिज, मृत्युंजय आन और मान ठाकुर उद्यान, डोंबिवलीकर न्यू फोर्स अकादमी, गणेश विसर्जन घाट, सक्षम भगिनी योजना, कल्याण-डोंबिवली से तलोजा मेट्रो जैसी विभिन्न विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज और स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के विचारों को संरक्षित करने की चव्हाण की लगातार कोशिश, फंसे हुए लोगों की मदद के लिए दौड़ने की उनकी प्रवृत्ति का भी वर्णन किया गया है। देश में नरेंद्र, राज्य में देवेंद्र और डोंबिवली में रवींद्र ऐसा कहते हुए इस युवा नौजवान ने डोम्बिवली की जनता से रविंद्र चव्हाण को वोट देने की अपील की। इस युवक से बातचीत करते हुए उस ने श्री रविंद्र चव्हाण के प्रति अपनी सहृदय भावनाएं व्यक्त कीं. ह्लमैं अपने स्कूल की उम्र से लेकर अब तक रवि दादा की यात्रा नजदीक से देख रहा हूं। ये वो शख्स हैं जो डोंबिवली शहर के लिए दिन-रात काम करते हैं। उनके नेतृत्व में डोंबिवली में बदलाव होता हुआ देखने को मिला है। इसलिए मैं उनके लिए कुछ करना चाहता था। हमारे शहर डोंबिवली की एक अलग सांस्कृतिक पहचान है। यह एक ऐसा शहर है जो परंपराओं को संरक्षित करता है। इस मिट्टी में कई कलाकारों ने जन्म लिया है. रवि दादा ने हम डोंबिवलीकर कलाकारों को उचित मंच दिया। हमेशा मुस्कुराते रहने और काम के लिए तैयार रहने के गुण मैंने अपने दादाजी से सीखे। डोंबिवलीकर नागरिक के रूप में, हमारे मन में यह विचार आया कि हमें दादा द्वारा किए गए प्रयासों का बदला चुकाना चाहिए और इसलिए बीइंग आर्टिस्ट के कलाकारों द्वारा दादा के लिए एक कलाकृति प्रस्तुत करने का विचार आया। यही कारण है कि यह मराठी भारूड हमारे मराठमोले शहर में हमारे लोगों के लिए तैयार किया गया है।

सामामजिक कार्यो में सक्रिय राजकुमार सोनी का हुआ सम्मान

मुंबई। स्वर्णकार समाज में समाज को एकजुट करने और गतिविधियों को एक दूसरे तक पहुंचाने के साथ-साथ कार्यक्रमो में अपनी हमेशा सहभागिता निभाने का कार्य स्वर्णकार विवाह मंच गंजबासौदा की टीम लगातार कर रही है। वही स्वर्णकार विवाह मंच गंजबासौदा द्वारा निशुल्क बायोडाटा प्रसारण का कार्यक्रम तो निरंतर जारी है जिसकी जगह-जगह प्रशंसा भी की जा रही है। इसी को देखते हुए जहां भी स्वर्णकार विवाह मंच गंज बासौदा की टीम पहुंचती है वहां पर उपस्थित समितियो व समाज बंधुओ द्वारा हार-फूल मालाओं के साथ स्वागत सम्मान किया जाता है। इसी बीच बालाघाट जिले के वारह सिवनी में समाज के कार्यक्रम व नव युगल जोड़ी की सगाई समारोह में सम्मिलित होकर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। वही संस्थापक संचालक श्री सोनी का फूल मालाओं से सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी व सह संस्थापक संचालक स्वर्णकार विवाह गंजबासौदा की श्रीमती सुनीता सोनी रही। जानकारी अनुसार बतादें कि उक्त कार्यक्रम वारह सिवनी जिला बालाघाट मप्र में किशोर कुमार सोनी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सर्व स्वर्णकार महा संगठन मप्र की सुपुत्री सुश्री तृप्ति की सगाई समारोह में स्वर्णकार विवाह मंच गंजबासौदा के संस्थापक संचालक राजकुमार सोनी ने उपस्थित होकर सुश्री तृप्ति सोनी चि. पवन सोनी को शुभ मंगल कामनाओं के साथ आशीर्वाद दिया। वहीं किशोर कुमार सोनी द्वारा समाज की गरीमामय उपस्थित में राजकुमार सोनी का शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया एवं सभी स्वर्णकार भाईयों द्वारा बधाई दी गई।

चडीएफसी बैंक को भारत में सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक चुना गया

पटना। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक को प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्ल्यूएम) द्वारा आयोजित ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2024 में भारत में सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा प्रकाशित - एक प्रमुख वैश्विक व्यावसायिक प्रकाशन - प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्ल्यूएम) निजी बैंकों और उनके संचालन वाले क्षेत्रीय वित्तीय केंद्रों की विकास रणनीतियों का विश्लेषण करने में माहिर है। ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स ने खुद को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित निजी बैंकिंग पुरस्कारों के रूप में मजबूती से स्थापित किया है।

भारत के केंद्रिय गृहमंत्री अमित शाह के मुंबई आगमन पर पूरे जोश के साथ स्वागत करते भाजपा के दक्षिण मुंबई जिले के उपाध्यक्ष राजेश हलदणकर। छायाः उत्तरशक्ति

अपना पूर्वांचल महासंघ ने दिया भाजपा महायुति को समर्थन

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रह रहे पूर्वांचल के लोगों की शीर्ष संस्था अपना पूर्वांचल महासंघ ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को समर्थन देने की घोषणा की है। महासंघ के अध्यक्ष एड अशोक दुबे, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद मिश्र ने इस महायुति को समर्थन देने के साथ ही कई प्रत्यशियों को समर्थन पत्र भी सौंपा है। महासंघ की तरफ से दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार संजय निरुपम, बांद्रा पश्चिम से भाजपा उम्मीदवार आशीष शेलार, बोरीवली से भाजपा उम्मीदवार संजय उपाध्याय, गोरेगांव में विद्या ठाकुर, कालीना में अमरजीत सिंह, मुम्बादेवी में शायना एन सी मालाड पशिचम में विनोद शेलार, अंधेरी पूर्व में मुरजी पटेल, चारकोप में योगेश सागर, वसोर्वा में भारती लवेकर, कांदिवली पूर्व में अतुल भातखलकर, मीरा भाईंदर में नरेंद्र मेहता और नालासोपारा से भाजपा उम्मीदवार एड स्नेहा दुबे को समर्थन पत्र सौंपा गया है। महासंघ के अध्यक्ष अशोक दुबे ने संस्था से जुड़े लोगों से राय मशविरा करने के बाद यह निर्णय लिया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि महाराष्ट्र में फिर से महायुति की सरकार बनेगी और इस भव्य जीत में अपना पूर्वांचल महासंघ का पूर्ण सहयोग होगा।

श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए प्रभाकर शुक्ल

सुलतानपुर। सुलतानपुर स्थित जयसिंहपुर ब्लॉक के ग्रामसभा साटा मे सोमवार को जगदीश सिंह के निवास पर आचार्य अंकित महाराज जी के मुखारविंदु द्वारा चल रही श्री श्रीमद् भागवत कथा मे लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय महासचिव प्रभाकर शुक्ल रिंकू शामिल होकर व्यासपीठ पर विराजमान महाराज जी को संकल्प पत्रिका भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किए। इस अवसर पर पत्रकार रोहित पाठक, पत्रकार अभयराज वर्मा, पत्रकार रोहित सिंह, आदेश मिश्र, क्षेत्र पंचायत सदस्य संदीप दुबे, आकाश दुबे एवं क्षेत्र के तमाम श्रद्धालु श्रोता गण उपस्थित थे.

मीरा भाईंदर में प्रवासी संयोजक विधानसभा सदस्य राजस्थान के अमित जैन की मुलाकात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और आमदार दीप्ती किरण महेश्वरी से हुई। मीरा भाईंदर बीजेपी का लोगों को मतदाताओ के पास जाने का और अपना उम्मीदवार नरेंद्र मेहता को भारी मतो से जिताने का वादा किया। छायाः उत्तरशक्ति

महायुति को उत्तरभारतीय संघ ने दिया समर्थन

,मुंबई। उत्तरभारतीय समाज की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी संस्था उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवालों का बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने इस चुनाव को लेकर उत्तरभारतीय समाज की भूमिका भी स्पष्ट की। प्रस्तुत है संतोष आरएन सिंह से हुई बातचीत के प्रमुख अंश...

-महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर उत्तर भारतीय समाज में कितना उत्साह है?

-उत्तरभारतीय समाज चुनाव और राजनीति को लेकर हमेशा जागरूक रहा है। इस चुनाव में भी वह जागरूक व सजग है।

-इस चुनाव को लेकर उत्तरभारतीय संघ की क्या भूमिका है?

- देखिए, हमने चुनाव के पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उत्तरभारतीय संघ उसी गठबंधन या दल को समर्थन देगा जो गठबंधन या दल उत्तरभारतीयों व समाज का सम्मान करेगा।

-उत्तरभारतीयों के सम्मान से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तरभारतीयों के सम्मान का मतलब यह है कि जो भी दल या गठबंधन सबसे ज्यादा टिकट यानि उम्मीदवारी दी है। उत्तरभारतीय संघ उसे समर्थन दे रहा है।

अब चुनाव अंतिम चरण में है, ऐसे में उत्तरभारतीय संघ ने किस दल या गठबंधन को अपना समर्थन देने का फैसला किया है?

- महायुति ने सबसे अधिक उम्मीदवारी उत्तरभारतीयों को देकर उत्तरभारतीय समाज को सम्मान दिया है। इसके लिए मैं विशेष कर भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को धन्यवाद देना चाहता हूं। क्योंकि उत्तरभारतीय समाज को यह सम्मान दिलाने में श्रीमान फडणवीस की भूमिका अहम रही है। यही वजह है कि संघ ने महायुति को अपना समर्थन देने का फैसला किया है। इसके अलावा जब जब समाज को जरूरत पड़ी है। देवेंद्र फडणवीस उत्तरभारतीयों के लिए सबसे आगे खड़े रहते हैं। उत्तरभारतीय संघ के लिए भी श्रीमान फडणवीस जी का योगदान शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। उन्होंने हमेशा उत्तरभारतीय संघ को सपोर्ट किया है।

क्या यह आपका व्यक्तिगत, निजी फैसला है?

-यह फैसला व्यक्तिगत तौर पर केवल मेरा नहीं है बल्कि उत्तरभारतीय संघ की कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया फैसला है। संघ की बैठक में फैसला लिया गया कि महायुति ने सबसे अधिक उत्तरभारतीयों को उम्मीदवारी दी है। इसलिए महायुति को समर्थन दिया जाय। साथ ही इस चुनाव में खड़े सभी उत्तरभारतीय उम्मीदवारों को जिताने की अपील समाज से की जाय।

उत्तरभारतीय संघ एक सामाजिक संगठन है। इसके बावजूद यह राजनीतिक फैसला लेने की जरूरत क्यों पड़ी?

- यह फैसला राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक फैसला है। इस फैसले को आप सामाजिक दृष्टिकोण से देखिए। जिस दल या गठबंधन ने उत्तरभारतीय समाज को सम्मान दिया है, उसी को समर्थन दिया गया है और उत्तरभारतीय उम्मीदवारों को जिताने की अपील की जा रही है।

जीतकर आने वाले उत्तरभारतीय विधायकों से संघ को क्या अपेक्षा रहेगी?

-उत्तरभारतीय समाज के लोगों के हितों, सुरक्षा और मजबूत भविष्य का संरक्षण। उत्तरभारतीय समाज की समस्याओं का निराकरण होना चाहिए।

उत्तर भारतीय समाज के लोगों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

-महाराष्ट्र में हम सभी की पहचान सिर्फ उत्तरभारतीय के रूप में है। इसलिए मेरा सबसे निवेदन है कि उत्तर भारतीय समाज के हितों को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाएं। आपसी मतभेदों को भूलकर समाज के हित में काम करें।